सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 149 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शनिवार 14 मार्च 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

रायपुर में सिक्योरिटी अफसर को अंडरवर्ल्ड डॉन के नाम से धमकी

रायपुर। डीडी नगर थाना क्षेत्र में एक सिक्योरिटी अफसर के साथ 20 लाख रुपए की धोखाधड़ी और अंडरवर्ल्ड के नाम पर धमकी देने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। एनआईटी कैंपस में पदस्थ सिक्योरिटी अफसर बलराम नायक ने अवंति विहार निवासी ठेकेदार दिनेश देवांगन के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। बलराम नायक के मुताबिक, उन्होंने महादेव घाट रोड स्थित सुदर्शन विहार में अपने मकान के पुनर्निर्माण का जिम्मा दिनेश को सौंपा था। साल 2024 से 2025 के बीच उन्होंने किश्तों में करीब 20 लाख रुपए का भुगतान किया, लेकिन ठेकेदार ने काम पूरा नहीं किया। पीड़ित का आरोप है कि जब उन्होंने काम पूरा करने या पैसे लौटाने का दबाव बनाया, तो ठेकेदार अपनी असली पहचान पर उतर आया। ठेकेदार ने एक कथित अपराधी से बलराम से फोन करवाया। उसने छोटा शकील और दाऊद इब्राहिम के गुर्गों से गोली मरवाने की धमकी दिलाई। फिलहाल इस मामले में पुलिस जांच कर रही है।

पेट्रोल पंप मैनेजर का घोटाला, 40 लाख का गबन

गौरेला। जीपीएम जिले के केंवची गांव में स्थित एचपी उर्मिला पेट्रोलियम के पेट्रोल पंप मैनेजर पर लगभग 40 लाख रुपये के गबन का गंभीर मामला सामने आया है। पंप संचालक प्रमोद सिंह परस्ते की शिकायत पर गौरेला पुलिस ने मामला दर्ज किया है। पुलिस ने आरोपी मैनेजर लालजी पटेल को गिरफ्तार कर लिया है। प्रमोद सिंह परस्ते बताया कि 5 दिसंबर 2024 से शुरू हुए पंप के संचालन के लिए पेंड्रा के अमरपुर गांव निवासी लालजी पटेल को मैनेजर रखा था। वर्ष 2025 के मध्य से बैंक और कंपनी अधिकारियों ने खातों में गड़बड़ी की आशंका जताई थी। जांच में पता चला कि मैनेजर लालजी पटेल ग्राहकों से उधारी की राशि अपने और अपनी पत्नी के निजी फोन-पे नंबरों में जमा करवा रहा था। इस तरह लगभग 40 लाख रुपये की राशि का गबन किया गया।

कांग्रेस नेता विनोद तिवारी को दिल्ली पुलिस ने किया गिरफ्तार

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट करने के मामले में दिल्ली पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। उत्तर प्रदेश के कौशांबी से छत्तीसगढ़ कांग्रेस के संयुक्त महामंत्री विनोद तिवारी को गिरफ्तार कर लिया गया है। विनोद तिवारी एक पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होने कौशांबी पहुंचे थे, जहां दिल्ली पुलिस की टीम ने दबिश देकर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। विनोद तिवारी ने बीते 3 फरवरी को अपने सोशल मीडिया हैंडल से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ एक विवादित पोस्ट साझा की थी। इस पोस्ट को लेकर दिल्ली में शिकायत दर्ज कराई गई थी। जिसके बाद कार्रवाई की गई है।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की फिजियो आकांक्षा को मिला टाटा सिएरा का टॉप मॉडल

■ **मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपने निवास पर सौंपी चाबी**

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने शनिवार को नवा रायपुर स्थित अपने निवास में आयोजित एक गरिमामय समारोह में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की फिजियोथेरेपिस्ट और छत्तीसगढ़ की बेटी आकांक्षा सत्यवंशी को टाटा सिएरा कार उपहार स्वरूप प्रदान की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने आकांक्षा को बधाई देते हुए कहा कि हमारी बेटियों ने विश्व कप जीतकर देश का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने महिला क्रिकेट टीम के सम्मान और प्रोत्साहन के लिए टाटा मोटर्स द्वारा कार उपहार देने की इस पहल की सराहना की।

बता दें भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने पिछले वर्ष अपना पहला महिला विश्व कप खिताब जीतकर इतिहास रचा था। इस उपलब्धि के सम्मान में टाटा मोटर्स ने टीम की प्रत्येक खिलाड़ी को सिएरा एसयूवी के टॉप-एंड मॉडल भेंट करने की घोषणा की थी। इसी क्रम में छत्तीसगढ़ की निवासी और भारतीय महिला क्रिकेट टीम की फिजियो आकांक्षा सत्यवंशी को भी शनिवार को टाटा सिएरा कार भेंट की गई।

खेल प्रतिभाओं की कमी नहीं : सीएम साय

इस मौके पर मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रदेश में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है और राज्य सरकार खेलों को बढ़ावा देने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। खेल अधोसंरचना के विकास से प्रदेश के खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण मिल रहा है, जिससे वे उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। सीएम ने कहा कि बस्तर ओलंपिक और सरगुजा ओलंपिक जैसे प्रयासों के माध्यम से प्रदेश के सुदूर अंचलों के युवा भी खेलों से जुड़ रहे हैं।

मुख्यमंत्री का प्रोत्साहन हमेशा हौसला बढ़ाता है : आकांक्षा

इस अवसर पर आकांक्षा ने कहा कि विश्व कप जीतकर लौटने के बाद सबसे पहले मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने पूरी टीम का उत्साहवर्धन किया। यहां की बेटी होने से व्यक्तिगत रूप से मिलने आमंत्रित किया। अभिभावक की तरह मुख्यमंत्री का यह स्नेह और प्रोत्साहन हमेशा उनका मनोबल बढ़ाता है। आकांक्षा ने कहा कि आज मुख्यमंत्री से यह सम्मान प्राप्त कर उनका दिन यादगार बन गया है। और यह पल उनके जीवन में हमेशा विशेष रहेगा।

एलपीजी के लिए एजेंसियों में लगी कतारें, सरकार बोली- एलपीजी, पेट्रोल-डीजल का पर्याप्त स्टॉक

राजधानी रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग-भिलाई सहित सभी जिलों में दिख रहा असर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव व एलपीजी की कमी का असर दिखने लगा है। देशभर में एलपीजी के लिए मारामारी शुरू हो गई है। देश के अन्य हिस्सों के साथ ही छत्तीसगढ़ में भी एलपीजी गैस सिलेंडर की कमी महसूस की जा रही है। गैस एजेंसियों के बाहर लोगों की लंबी कतारें लग रही हैं और कई जगहों पर सिलेंडर की कालाबाजारी और जमाखोरी की शिकायतें भी सामने आ रही हैं। इस बीच छत्तीसगढ़ सरकार ने स्पष्ट किया है कि प्रदेश में एलपीजी, पेट्रोल व डीजल का पर्याप्त स्टॉक है।

बता दें इन दिनों इरान-इस्राइल व अमेरीका वार के कारण दुनिया भर में तेल व गैस संकट की खबरे सामने आ रही है। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ में भी कमी की आशंका के कारण एजेंसियों में लंबी कतारें हैं। रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग-भिलाई, सरगुजा और रायगढ़ सहित कई जिलों में सुबह से ही गैस एजेंसियों और गोदामों के बाहर उपभोक्ताओं की भीड़ जुट रही है। लोग तेज धूप में घंटों खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं। इसी बीच सर्वर ठप हो जाने से लोगों की परेशानी और बढ़ गई है। बुकिंग कराने वाले उपभोक्ताओं को भी सिलेंडर की डिलीवरी के लिए करीब 10 से 12 दिन का इंतजार करने की बात कही जा रही है। हालांकि, प्रशासन का दावा है कि स्थिति सामान्य है। अभी पर्याप्त स्टॉक है।

प्रदेश में एलपीजी, पेट्रोल-डीजल का पर्याप्त स्टॉक

एलपीजी क्राइसेस के बीच छत्तीसगढ़ सरकार ने स्पष्ट किया है कि प्रदेश में घरेलू एलपीजी, पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है तथा इनकी उपलब्धता और वितरण की लगातार निगरानी की जा रही है। एक दिन पहले ही मुख्य सचिव विकास शील द्वारा 12 मार्च को खाद्य विभाग के सचिव रीना बाबा साहेब कंगाले तथा ऑयल कंपनियों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की गई। इसके बाद 13 मार्च को संचालक खाद्य विभाग की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय नियंत्रण एवं मॉनिटरिंग समिति का गठन किया गया है।

102 स्थानों से 741 गैस सिलेण्डर जब्त

छत्तीसगढ़ में घरेलू एलपीजी की जमाखोरी को रोकने हेतु खाद्य विभाग तथा जिला प्रशासन की टीम द्वारा संदिग्ध स्थानों की आकस्मिक जांच की जा रही है तथा अब तक 102 स्थानों से 741 गैस सिलेण्डर जब्त किया जा चुका है। राज्य में सर्वाधिक 392 घरेलू एलपीजी सिलेण्डर रायपुर जिले में जब्त किये गये हैं तथा इसके पश्चात बिलासपुर जिले में 130 घरेलू एलपीजी सिलेण्डर जब्त किये गये है।

ईरान ने होर्मुज में रोका भारतीय एलपीजी टैंकर, चालक दल फंसा

■ **सरकार से लगाई मदद की गुहार**

तेहरान। अमेरिका और इस्राइल के साथ चल रहे संघर्ष के बीच ईरान ने भारतीय जहाज को होर्मुज स्ट्रेट के पास रोक दिया है। इस जहाज में 34 सदस्यीय चालक दल है और यह 36 लाख घरेलू गैस सिलेंडर (एलपीजी) लेकर जा रहा था। जहाज के कप्तान वीरेंद्र विश्वकर्मा और क्रू मेंबर लगातार मदद के लिए गुहार लगा रहे हैं।

यह टैंकर कुवैत के मीना अल अहमदी बंदरगाह से गुजरात के दीनदयाल कांडला बंदरगाह के लिए रवाना हुआ था। लेकिन 28 फरवरी से इस समुद्री मार्ग पर लगे प्रतिबंधों के कारण जहाज आगे नहीं बढ़ सका। फिलहाल यह जहाज संयुक्त अरब अमीरात के पास मीना साकर बंदरगाह क्षेत्र में लंगर डाले खड़ा है और आगे बढ़ने की अनुमति का इंतजार कर रहा है।

खार्ग द्वीप पर अमेरिका का हमला

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका ने ईरान के एक अहम ठिकाने पर बड़ा हवाई हमला किया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि अमेरिकी सेना ने ईरान के खार्ग द्वीप पर बड़े पैमाने पर बमबारी कर वहां मौजूद सभी सैन्य ठिकानों को पूरी तरह नष्ट कर दिया है। ट्रंप के अनुसार यह हमला अमेरिकी सेंट्रल कमांड की ओर से किया गया और इसका उद्देश्य ईरान से पैदा हो रहे खतरे को खत्म करना था। राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया पर कहा कि यह हमला मध्य पूर्व के इतिहास के सबसे शक्तिशाली बमबारी अभियानों में से एक था।

सरकार ने सोनम वांगचुक पर लगा एनएसए हटाया, जेल से होंगे रिहा

■ **लेह हिंसा के बाद हिरासत में लिए गए थे वांगचुक**

नई दिल्ली। केंद्र ने शनिवार को लद्दाख के सामाजिक कार्यकर्ता और इंजीनियर सोनम वांगचुक पर लगा नेशनल सिक्युरिटी एक्ट हटा दिया। यह आदेश तुरंत प्रभाव से समाप्त कर दिया जाएगा। गृह मंत्रालय के अनुसार, सोनम ने एनएसए एक्ट के तहत अपनी हिरासत की अवधि का लगभग आधा हिस्सा पूरा कर लिया है।

लद्दाख प्रशासन ने 24 सितंबर 2025 को लेह हिंसा भड़काने के आरोप में 26 सितंबर को राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत वांगचुक को हिरासत में लिया था। तब से वे जोधपुर जेल में हैं। इस हिंसा में 4 लोगों की मौत हो गई थी और 150 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे। करीब साढ़े पांच महीने हो चुके हैं। करीब 170 दिन

बाद रिहा होंगे। एनएसए सरकार को ऐसे लोगों को हिरासत में लेने का अधिकार देता है, जिनसे देश की सुरक्षा या सार्वजनिक व्यवस्था को खतरा हो। इसके तहत किसी व्यक्ति को अधिकतम 12 महीने तक नजरबंद रखा जा सकता है। वांगचुक का हिरासत रद्द करते हुए गृह मंत्रालय ने कहा कि केंद्र सरकार लद्दाख में शांति, स्थिरता और आपसी भरोसा कायम रखने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि सभी पक्षों के साथ सार्थक और रचनात्मक बातचीत हो सके। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए वांगचुक की हिरासत खत्म करने का फैसला लिया गया है।

अफीम खेती मामले में ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी निलंबित

दुर्ग। जिले के समोदा में सामने आए अफीम की अवैध खेती के मामले में जिला कलेक्टर अभिजीत सिंह ने एक बड़ी कार्रवाई की है। इस मामले में जिला कलेक्टर ने ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी एकता साहू को सस्पेंड कर दिया है। इस कार्रवाई से पहले ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी एकता साहू, फसल सर्वेयर शशिकांत साहू और ग्राम समोदा की पटवारी अनिता साहू से 7 दिनों के भीतर जवाब मांगा गया था। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने बताया कि ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी एकता साहू के द्वारा फसल प्रदर्शन करवाया गया था जिसमें लापरवाही सामने आई थी।ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी को जिस स्थान पर प्रदर्शन प्लॉट करवाना था उसके स्थान पर दूसरी जगह करवा दिया गया था। इसके साथ ही कृषक का फोटो नहीं लिया गया था।

सिलचर में बोले पीएम मोदी- जहां कांग्रेस वालों के दिमाग का ताला बंद होता है, वहां हमारा काम शुरू होता है

■ **असम के सिलचर में पीएम ने किया 24 हजार करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास**

सिलचर ए.। असम के सिलचर में पीएम मोदी ने शनिवार को 24 हजार करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास किया। इस दौरान अपने संबोधन में पीएम मोदी ने असम व उत्तर पूर्व की उपेक्षा के लिए कांग्रेस को घेरा। उन्होनें कहा दशकों तक कांग्रेस ने उत्तर पूर्व को दिल्ली से दूर रखा। जहां कांग्रेस वालों के दमिाग का ताला बंद हो जाता है वहां हमारा काम शुरू होता है। असम की बराक घाटी की अहमियत पर बात करते हुए कहा, 'सिलचर को बराक घाटी का गेटवे कहा जाता है। ये वो जगह है, जिसने भाषा, संस्कृति को मिलाकर एक विशेष पहचान बनाई है। बराक नदी के उपजाऊ मैदानों, यहां के चाय बागानों ने यहां के किसानों, व्यापार मार्गों और शिक्षा संस्थानों को हमेशा प्रेरित किया है। ये क्षेत्र असम सहित पूरे उत्तर पूर्व और पश्चिम बंगाल से जोड़ता है।

पीएम मोदी ने शिलॉन्ग-सिलचर कॉरिडोर का भूमि पूजन किया। 166 किलोमीटर लंबे इस कॉरिडोर की लागत करीब 22,860 करोड़ रुपये होगी। इससे असम और मेघालय के बीच कनेक्टिविटी बेहतर होगी। इस कॉरिडोर की मदद से गुवाहाटी से सिलचर के बीच यात्रा का समय साढ़े आठ घंटे से कम होकर सिर्फ पांच घंटे रह जाएगी। पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा 'थोड़ी देर पहले यहां हजारों करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट का शिलान्यास और लोकार्पण हुआ है। रेल, कृषि वन ऐसे हर प्रोजेक्ट से बराक घाटी, उत्तर पूर्व का एक बड़ा लॉजिस्टिक और ट्रेड हब बनने जा रहा है। इससे यहां के नौजवानों के लिए रोजगार के अनगिनत अवसर बनने जा रहे हैं। मैं आप सभी को इन सारी विकास परियोजनाओं के लिए बहुत-बहुत बधाई देता हूं।'

कांग्रेस ने उत्तर पूर्व को भुला दिया

उन्होंने कहा, 'आजादी के अनेक दशकों तक कांग्रेस की सरकारों ने उत्तर पूर्व को दिल्ली और दिल, दोनों से दूर रखा। कांग्रेस ने उत्तर पूर्व को एक तरह से भुला दिया। लेकिन भाजपा एनडीए की डबल इंजन सरकार ने उत्तर पूर्व को ऐसे कनेक्ट किया है। आज उत्तर पूर्व, भारत की एक्ट ईस्ट नीति का केंद्र है। लेकिन कांग्रेस ने उत्तर पूर्व को अपने हाल पर छोड़ दिया था। वैसे ही बराक घाटी को भी बेहाल करने में कांग्रेस की बड़ी भूमिका रही है। जब देश आजाद हुआ तो कांग्रेस ने ऐसे सीमा निर्धारित की, जिससे बराक घाटी का समुद्र से संपर्क ही टूट गया। जो बराक घाटी कभी व्यापार केंद्र के रूप में जानी जाती थी, उससे उसकी ताकत ही छीन ली गई। अब भाजपा की डबल इंजन सरकार बराक घाटी को व्यापार का बड़ा केंद्र बनाने के लिए निरंतर काम कर रहे हैं।

गिल को सर्वश्रेष्ठ पुरुष अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर का अवॉर्ड, बिन्नी-द्रविड़ भी होंगे सम्मानित

मुंबई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने नमन अवॉर्ड 2026 की घोषणा कर दी है। यह समारोह 15 मार्च को नई दिल्ली में आयोजित होगा। इस दौरान भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल को बीसीसीआई के प्रतिष्ठित 'क्रिकेटर ऑफ द ईयर' पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। 'क्रिकेटर ऑफ द ईयर' पुरस्कार को 'पॉली उमरीगर क्रिकेट ऑफ द ईयर' अवॉर्ड भी कहा जाता है। वहीं, महिलाओं में स्मृति मंधाना को उनके करियर में पांचवीं बार सर्वश्रेष्ठ महिला क्रिकेटर ऑफ द ईयर से सम्मानित किया जाएगा।

बीसीसीआई ने पूर्व भारतीय खिलाड़ी रोजर बिन्नी और राहुल द्रविड़ को कर्नल सी.के. नायुडू लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित करने का फैसला किया है। वहीं,

महिलाओं में यह पुरस्कार मिताली राज को दिया जाएगा। बिन्नी बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष भी रह चुके हैं, जबकि द्रविड़ के कोचिंग कार्यकाल में भारत ने 2024 टी20 विश्व कप का खिताब अपने नाम किया था। मिताली को भी भारत में महिला क्रिकेट में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया जा रहा है।

शुभमन ने दूसरी बार यह पुरस्कार जीता है। इससे पहले साल 2023 में भी उन्हें इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। दूसरी बार यह अवॉर्ड जीतने के साथ ही शुभमन सचिन तेंदुलकर और रविचंद्रन अश्विन की बराबरी कर लेंगे। इन दोनों ने भी यह अवॉर्ड दो-दो बार जीता था। इनसे ज्यादा बार कोहली और बुमराह ही सम्मानित हुए हैं।

म्हात्रे-हर्ष दुबे को मिलेगा सम्मान

अपनी कप्तानी में अंडर-19 विश्व कप का खिताब दिलाने वाले मुंबई के आयुष म्हात्रे को घरेलू सीमित ओवर के टूर्नामेंट में सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर का अवॉर्ड मिलेगा। इस पुरस्कार को लाला अमरनाथ अवॉर्ड के नाम से जाना जाता है। वहीं, विदर्भ के हर्ष दुबे को 2024-25 रणजी ट्रॉफी सीजन में बेहतरीन प्रदर्शन के लिए सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर चुना गया है।

संपादकीय

अनिद्रा की महामारी

डिजिटल दुनिया ने छीनी युवाओं की नींद

भारतीय जन-जीवन में तेजी से घर करती डिजिटल जीवन शैली ने युवाओं की नींद को बुरी तरह प्रभावित किया है। जिसके चलते उनमें आक्रामकता, अवसाद व आत्महत्या की प्रवृत्ति विकसित हो रही है। देश-दुनिया में समय-समय पर आने वाले विभिन्न सर्वेक्षण इस संकट की ओर इशारा कर रहे हैं। लेकिन देश में किशोरों का स्क्रीन टाइम घातक ढंग से बढ़ रहा है। आमतौर पर चिकित्सा विशेषज्ञ मानते हैं कि किशोरों की सेहत के लिये आठ घंटे की नींद जरूरी होती है। हालांकि, कुछ विशेषज्ञ आठ घंटे के बजाय सात-छह घंटे की नींद को भी पर्याप्त मानते हैं, बशर्ते उसमें बीच में किसी तरह का व्यवधान न हो। लेकिन बिना किसी जरूरी काम के कथित सोशल मीडिया पर सक्रिय रहना आज के दौर में फैशन सा बन गया है। अमेरिका समेत कई पश्चिमी देशों में हुए हालिया शोध बताते हैं कि रात में जल्दी सोने व सुबह जल्दी उठने से बेहतर स्वास्थ्य बनता है। यह भारतीय जीवन दर्शन की अपरिहार्य धारणा भी रही है। लेकिन देश में पहले टीवी और अब मोबाइल फोन के अनियंत्रित उपयोग ने युवाओं की रात की नींद उड़ा दी है। जिसके चलते युवा पूरे दिन उखड़े-उखड़े और अशांत रहते हैं। उनमें आक्रामकता बढ़ रही है। फिर वे अवसाद के शिकार हो जाते हैं। बाधित नींद की इस स्थिति में कालांतर मन में आत्महत्या जैसे नकारात्मक भाव उमड़ने लगते हैं। एक सर्वे बताता है कि देश में 73 फीसदी दसवीं के छात्र आठ घंटे से कम की नींद सोते हैं। कलकत्ता स्लीप सोसाइटी के विशेषज्ञ बताते हैं कि दुनिया में 60 से 70 फीसदी किशोर पर्याप्त नींद नहीं ले पा रहे हैं। दरअसल, आज छात्रों पर अभिभावकों व शिक्षकों का अनुशासन कम ही चलता है। मां-बाप के टोकने पर वे दलील देते हैं कि ऑन लाइन पढ़ाई चल रही है। कोरोना संकट ने देश-दुनिया में ऑनलाइन पढ़ाई का विकल्प तो दिया, लेकिन तमाम तरह की विसंगतियां व विकृतियां भी किशोरों के जीवन में भर दी हैं।

" आमतौर पर चिकित्सा विशेषज्ञ मानते हैं कि किशोरों की सेहत के लिये आठ घंटे की नींद जरूरी होती है। हालांकि, कुछ विशेषज्ञ आठ घंटे के बजाय सात-छह घंटे की नींद को भी पर्याप्त मानते हैं, बशर्ते उसमें बीच में किसी तरह का व्यवधान न हो। लेकिन बिना किसी जरूरी काम के कथित सोशल मीडिया पर सक्रिय रहना आज के दौर में फैशन सा बन गया है। अमेरिका समेत कई पश्चिमी देशों में हुए हालिया शोध बताते हैं कि रात में जल्दी सोने व सुबह जल्दी उठने से बेहतर स्वास्थ्य बनता है।

एक चौंकाने वाला आंकड़ा बताता है कि देश में सत्तर करोड़ भारतीय छह घंटे की नींद नहीं ले पाते। वहीं 46 प्रतिशत भारतीय छह घंटे से कम की नींद ले पाते हैं। लेकिन सबसे बड़ा संकट युवाओं व किशोरों से जुड़ा है। वे देर रात तक ऑनलाइन गेमों से जुड़े रहते हैं। रात में जाने-अनजाने दोस्त उनके सहभागी बनते हैं। जो कालांतर एक नशे की लत का रूप ले लेता है। परिजनों की रोक-टोक उन्हें रास नहीं आती। कई घटनाओं में उनके आक्रामक व्यवहार के घातक परिणाम सामने आए हैं। यहां तक कि नजदीकी परिजनों की हत्या की घटनाएं भी हुई हैं। दरअसल, ऑनलाइन खेलों को इस तरह डिजाइन किया गया है कि वे किशोरों के लिये नशा बन जाते हैं। रात का एकांत उन्हें रास आता है। जिसके चलते वे नींद की परवाह नहीं करते। वहीं दूसरी ओर सोशल मीडिया व ओटीटी प्लेटफॉर्मों पर तमाम वर्जित व अश्लील सामग्री की रात्रि में भरमार रहती है। जिसकी चपेट में छोटे-बड़े लोग आ रहे हैं। युवा देर रात का एकांत तलाशते हैं ताकि परिजनों की अनुपस्थिति में वे मनमानी कर सकें। वे देर रात तक ऑनलाइन रहने में अपनी शान समझते हैं। यह भूल जाते हैं कि वास्तव में, वे अपनी सेहत से किस हद तक खिलवाड़ कर रहे हैं। चिकित्सा विशेषज्ञ चेतावनी देते रहे हैं अनिद्रा से उच्च रक्तचाप की समस्या पैदा हो रही है। जो कालांतर हाइपरटेंशन में बदल जाती है। दरअसल, शरीर की जैविक घड़ी के परिचालन में व्यवधान से शरीर नकारात्मक प्रतिक्रिया देता है। देर रात जागने और मोबाइल के नशे में किशोर असमय खाते-पीते हैं, जिससे उनमें मोटापे की समस्या भी घर कर रही है। यही वजह है कि अब किशोरों तक में डाइबिटीज की समस्या देखने में आ रही है। दरअसल, कुदरती सोने के समय का विकल्प देर रात या सुबह की नींद नहीं हो सकती है। यह संकट बड़ा है और अभिभावकों व शिक्षकों को किशोरों की देर रात जागने की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने के लिये गंभीर प्रयास करने होंगे। अन्यथा देश को कालांतर अस्वस्थ युवा पीढ़ी का संत्रास झेलने को बाध्य होना पड़ेगा।

पंजाब की 'कैंसर बेल्ट' के संकट की भ्रांति दूर करने का वक्त

आरपी तिवारी व फेलिक्स बास्ट

कोई व्यक्ति जब मालवा क्षेत्र की 'कैंसर बेल्ट' शब्द सुनता है, तो लगेगा कि विज्ञान प्रेरित लगने वाला यह निष्कर्ष लंबे शोध अध्ययनों पर आधारित होगा, जबकि असल में ऐसा बिल्कुल नहीं। पंजाब वास्तव में कई स्वास्थ्य और पर्यावरणीय संकटों का केंद्र है-लेकिन आंकड़े स्पष्ट रूप से दिखाते हैं कि कैंसर उनमें से एक नहीं है।

एक दशक से,पंजाब के जन-स्वास्थ्य से जुड़ी चर्चाओं में जो एकमात्र छवि सबसे ज्यादा उभरती है वह है ट्रेन नंबर 14888, जिसे 'कैंसर एक्सप्रेस' भी कहा जाता है। आधी रात बठिंडा से बीकानेर जाने वाली इस रेलगाड़ी में सवार लोगों को देखने वाले और पश्चिमी देशों के डॉक्यूमेंट्री फिल्म निर्माताओं के लिए, यह एक 'विफल' भूमि का उदाहरण है-एक पुण्यभूमि जिसका नुकसान उसकी कथित कृषि-सफलता ने ही किया। हालांकि आलोचनात्मक नज़रिए से इस स्थिति की गहन जांच करने पर इस दलील की खामी ज़ाहिर हो जाती है।

दुर्भाग्य से, कोई बाहरी व्यक्ति जब मालवा क्षेत्र की 'कैंसर बेल्ट' शब्द सुनता है तो लगेगा कि विज्ञान-प्रेरित लगने वाला यह निष्कर्ष लंबे शोध अध्ययनों पर आधारित होगा, जबकि असल में ऐसा बिल्कुल नहीं। मीडिया में इस शब्द का पहला लिखित उपयोग जून, 2005 में 'डाउन टू अर्थ' मैगज़ीन में हुआ था। यह नाम एक भाषाई बदलाव रणनीति का परिणाम है, मालवा इलाके के लिए दशकों से इस्तेमाल हो रहे 'कॉटन बेल्ट' में कॉटन की जगह कैंसर रखकर नया नाम गढ़ डाला। तब से, दुनिया के पर्यावरण पत्रकारों ने इस कहानी को अलग-अलग तरीकों से दिखाया।

एक सराहनीय सामाजिक सेवा के अलावा 'कैंसर ट्रेन' के वजूद की कोई और वजह नहीं। 1940 के दशक से, बीकानेर का आचार्य तुलसी रीजनल कैंसर हॉस्पिटल (बाद में देश का 13वां क्षेत्रीय कैंसर सेंटर बना) मुफ़्त कैंसर इलाज देता आया है, जिनमें मालवा इलाके के मरीज़ भी शामिल हैं। इसके अलावा, 1990 के दशक से ही, भारतीय रेलवे कैंसर मरीज़ों के लिए भाड़ा माफी और तीमारदार के लिए स्लीपर और एसी-तृतीय यान में किराया छूट दे रहा है। इसलिए, ट्रेन में 'भीड़' की वजह सस्ते इलाज के साथ मुफ़्त टिकटों की सुविधा भी है न कि सिर्फ स्थानीय विषाक्तता से उपजा रोग।

आधार जांच दर, कथित एज-एडजस्टेड इंसिडेंस रेट' (एएआईआर)- जो कि विविधितापूर्ण आबादी के आंकड़ा आधारित तुलनात्मक अध्ययन करने का बेस्ट पैमाना है, दर्शाता है कि भ्रांति किस तेज़ी से फीकी पड़ जाती है। आईसीएमआर-एनसीडीआईआर (2025-26) के डेटा के आधार पर, बठिंडा क्षेत्र का कैंसर एएआईआर सूचकांक प्रति 1,00,000 लोगों पर 125 मामले है। हालांकि यह राष्ट्रीय औसत (लगभग 100) से थोड़ा ज़्यादा है, लेकिन यह दिल्ली (146) या केरल (135) की तुलना में काफी कम है। मिज़ोरम में एएआईआर बहुत अधिक बढ़कर 256 है। अगर 125 के आंकड़े के साथ बठिंडा 'कैंसर बेल्ट' कहलाता है, तब तो 256 दर के साथ, मिज़ोरम उस हिसाब से 'राष्ट्रीय आपदा' होना चाहिए, फिर भी निशाना केवल पंजाब को ही बनाया जा रह है।

इस संकट में सबसे ज़्यादा नज़रअंदाज़ किया गया पहलू, विरोधाभासी रूप से, स्वास्थ्य और पोषण के क्षेत्र में पंजाब की शानदार उपलब्धि है। 2006-2010 के दौर में, जब वायरल हुई वे डॉक्यूमेंट्रीज रिलीज़ हुई थीं, पंजाब तब भारत के सबसे समृद्ध राज्यों में से एक था, जहां की औसत जीवन प्रत्याशा 70.6 साल थी-जो तब राष्ट्रीय औसत से 4.5 साल ज़्यादा थी। भले उसके बाद जीवन प्रत्याशा का यह राज्य-राष्ट्रीय अंतर लगातार कम होता गया है-संभवतः वायु प्रदूषण के कारण-फिर भी पंजाब का यह आंकड़ा अभी भी राष्ट्रीय औसत से ऊपर है। पंजाब में जीवन प्रत्याशा का ज़्यादा होना किसी 'किस्मत' जनित आनुवंशिकी की वजह से नहीं, बल्कि यह पंजाबी समुदाय में मौजूद 'परमार्थ संस्कृति' का नतीजा है, जो 'लंगर' और 'सेवा' को प्राथमिकता देती है। इसका अन्य कारण है 2005 के बाद छपे लेख और 2010 में बेहद लोकप्रिय हुई डॉक्यूमेंट्री।

कैंसर बुढ़ापे की बीमारी है। उदाहरण के लिए, जिस गांव में 80 साल से अधिक उम्र के लोग ज़्यादा होंगे, वहां आसपास के गांवों की अपेक्षा कैंसर के मामले ज़्यादा होंगे, भले ही वहां का पानी उनसे ज़्यादा साफ़ हो। जिन राज्यों में लोगों की औसत उम्र कम है, वहां कई लोग 'कैंसर की उम्र' तक पहुंचने से पहले ही संक्रामक बीमारियों अथवा हृदय रोगों से मर जाते हैं। गौरतलब है कि जिन राज्यों में कैंसर की एएआईआर दर पंजाब से ज़्यादा है (जैसे केरल, दिल्ली और मिज़ोरम), वहां लोगों की औसत उम्र भी अधिक है।

'कैंसर बेल्ट' वाली बात को महज एक बढ़ा-चढ़ाकर पेश की गई कहानी जानकर, आखिरकार हम अपना वैज्ञानिक ध्यान और संसाधन इस इलाके की वास्तविक स्वास्थ्य एवं पर्यावरण से जुड़ी समस्याओं पर लगा सकेंगे। इनमें हेपेटाइटिस सी, मेटाबॉलिक सिंड्रोम, फैटी लिवर रोग, वायु प्रदूषण, शहरी कचरे का सही निपटान, भारी धातुओं के ज़हर और एंडोक्राइन को बिगाड़ने वाले 'नॉनिलफेनोल' जैसे रसायनों की उच्च मात्रा शामिल है।

पिछले कई सालों से, पंजाब भारत में हेपेटाइटिस सी संक्रमण का मुख्य केंद्र बना हुआ है; भारत भर में हेपेटाइटिस सी के कुल प्रमाणिक मामलों के लगभग 35 प्रतिशत पंजाब के ही होते हैं। 44.2 प्रतिशत सूचकांक के साथ, पंजाब भारत में मोटापे का मुख्य केंद्र है, जबकि 53 प्रतिशत के साथ चंडीगढ़ में फैटी लिवर रोग के सर्वाधिक मामले पाए जाते हैं। पंजाब वास्तव में स्वास्थ्य एवं पर्यावरण से जुड़ी कई बड़ी समस्याओं का मुख्य केंद्र है-लेकिन आंकड़े साफ़ दर्शाते हैं कि कैंसर उनमें से एक नहीं है। जहां हम पंजाब की कमियों को छिपाएं नहीं वहीं ठीक इसी वक्त, बीमारियों से जुड़े आंकड़ों में पूरी सच्चाई सामने लाने की उम्मीद भी रखें। हम आंकड़ों के मायाजाल से निर्मित भ्रांत धारणाओं के आधार पर अपनी क्षेत्रीय पहचान को आकार देना स्वीकार नहीं कर सकते।

अब समय आ गया है कि हम तार्किक विमर्श और ठोस, अकाट्य आंकड़ों का उपयोग करके, पिछले 20 वर्षों से चली आ रही भ्रामक मिथक को तोड़ें और 'कैंसर बेल्ट' तथा 'कैंसर ट्रेन' से जुड़े प्रतिक्रियात्मक चक्र को समाप्त करें। आइए, हम स्वास्थ्य और स्वस्थ पर्यावरण के प्रति एक साझा दृष्टिकोण अपनाकर सक्रिय 'नया भारत' आंदोलन का नेतृत्व करें; एक ऐसा दृष्टिकोण जो हमारे आधुनिक वैज्ञानिक ज्ञान को हमारी प्राचीन तार्किक क्षमता-विशेष रूप से 'आलोचनात्मक सोच' की शक्ति-के साथ एकीकृत करने वाला हो।

प्रो. आर.पी. तिवारी, पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय, बठिंडा के कुलपति हैं, जबकि फेलिक्स बास्ट, प्रोफेसर हैं। (विचार निजी हैं)

थोड़ी-बहुत फिक्र भली, पर ज्यादा चिंता किस काम की?

रश्मि बंसल

रोज ऑफिस से निकलने के पहले आप मम्मी को मैसेज करती हो- निकल गई। एक दिन रिक्शे में बैठने के बाद पता चलता है कि फोन ऑफ हो गया है। कोई बात नहीं, मम्मी समझ जाएंगी। लेकिन आप घर में घुसे, तब जाकर मम्मी ने चैन की सांस ली। फोन ऑन किया तो देखा- 12 मिस्ड कॉल। अरे, चिंता तो होती है, न!-

मम्मी ने कहा, जैसे कि उनकी चिंता प्रकृति की देन हो। जैसे हम सांस लेते हैं, उसी तरह इस देश में हम 24 घंटे किसी न किसी चिंता में डूबे रहते हैं। बच्चों के एग्जाम- चिंता। घर पर मेहमान- चिंता। कामवाली आज लेट- चिंता।

अमेरिकी मनोवैज्ञानिक कहते हैं कि लव लैंग्वेज यानी कि प्यार जताने के पांच तरीके होते हैं। उन्हें क्या पता हमारे पास एक और तरीका है- चिंता। वैसे शायरों ने भी भले सीधे तरीके से इसका जिक्र नहीं किया हो, लेकिन उनके गाने अगर आप ध्यान से सुनें तो समझ जाएंगे- आंखों ही आंखों में इशारा हो गया, बैठे-बैठे जीने का सहारा हो गया। मतलब?

मतलब ये कि बीस साल बाद कोई होगा पूछने वाला- तुमने खाना खाया? दवाई ली? बिजली का बिल भरा? वैसे अंग्रेजी में इसे कहते हैं 'नैगिंग' और कई बार आप चिढ़ के जवाब भी दोगे- बस करो। लेकिन अगर कल ये सवाल बंद हो जाएं तो आपको बुरा भी लगेगा। कि किसी को मेरी पड़ी नहीं है, कोई पूछ नहीं रहा।

आज ज्यादातर शादियां इसी पूछ-ताछ के सहारे चल रही हैं। चाहे कोई 'आई लव यू' न कह रहा हो, कम से कम इस विशाल दुनिया में मेरे ब्लड प्रेशर की किसी को तो फिक्र है। वैसे कभी-कभी हंसी भी आती है। प्लेन में जैसे ही अनाउन्स होता है- 'आप मोबाइल का इस्तेमाल कर सकते हो'- आस-पास चार फोन बजेंगे। सवाल है- 'पहुंच गए' अब फोन बजा है, उठाया है, मतलब पहुंच ही गए होंगे। भगवान न करे, कोई हादसा हो जाए, तो सवाल-जवाब का मौका ही नहीं मिलेगाॽ अब यहां

तक की चिंता तो चलो, एक तरह से ठीक है। मगर मैंने ऑब्जर्व किया है कि हम में से कई लोगों ने अपनी चिंता का दायरा बहुत बढ़ा दिया है। दुबई में बम- चिंता। स्टॉक मार्केट डाउन- चिंता। पॉलिटिक्स में घोटाला- चिंता। इन टॉपिक्स पर चिंता से दुनिया को फर्क ही नहीं पड़ता, लेकिन असर होता है आप पर।

सुना होगा आपने 'हॉन्टेड हाउस' के बारे में। जैसे बंगले पर कब्जा करके भूत बेमतलब घूमता है, उसी तरह चिंता। यह एक भूत है, जिसने एक बार आपके दिमाग पर कब्जा कर लिया, तो फिर वो आपको डराता रहेगा। कोई भी सिचुएशन हो, आपको उसमें कुछ नेगेटिव ही दिखाई देगा।

मैं यह नहीं कह रही कि आप आंखें मूंद कर बैठिए। दुनिया में जो हो रहा है। उससे वाकिफ होना जरूरी है। लेकिन चिंता के बजाय चिंतन कीजिए। दोनों के बीच बस एक फर्क है- चिंतन करने वाला इंसान डरता नहीं। हालात आपके कंट्रोल में नहीं हैं, लेकिन हालात के प्रति आपका रिस्पॉन्स क्या होगा, यह आपके हाथ में है।

आजकल एग्जाम के पहले कुछ बच्चे बीमार पड़ जाते हैं, उल्टियां आने लगती हैं। डॉक्टर मानते हैं इसकी वजह है एंग्जायटी यानी कि घबराहट- जो है चिंता का बड़ा भाई। अजीब बात यह है कि ज्यादातर वो बच्चे घबराते हैं जिन्होंने पढ़ाई करी है, अच्छी तरह से। उनका डर यह है कि नंबर थोड़े कम आए तो क्या होगा?

उन्होंने अपने मन में एक लंबी कहानी लिख डाली है कि मेरा एडमिशन सही जगह नहीं होगा, मेरी लाइफ बर्बाद हो जाएगी। भाई, जीवन में सुख और सफलता पाने के एक नहीं, अनेक रास्ते हैं। लेकिन घबराए हुए इंसान को उन रास्तों पर चलने की हिम्मत न होगी। इसलिए पैरेंट्स को मेरी सलाह है, बच्चों को निडरता से जीना सिखाइए।

थोड़ी-बहुत चिंता ठीक है, लेकिन अगर वे आपको हर वक्त चिंतित देखेंगे, तो वे भी उस भूत को अपने मन में बसा लेंगे। जो ज्यादा चिंता करता है, कुछ भी करने से डरता है। सोच ही सोच में फंस जाता है, सुख में भी दु:ख ही पाता है। जो होना है सो होकर रहेगा, आपकी चिंता से कुछ न बदलेगा। चिंता से चिंतन का सफर तय कीजिए, जीवन अपना आनंदमय कीजिए।

हम में से कई लोगों ने अपनी चिंता का दायरा बहुत बढ़ा दिया है। दुबई में बम- चिंता। स्टॉक मार्केट डाउन- चिंता। पॉलिटिक्स में घोटाला- चिंता। इन सब पर चिंता से दुनिया को फर्क ही नहीं पड़ता, लेकिन असर होता है आप पर।

(ये लेखिका के अपने विचार हैं)

घातक हो सकती है मशीनों की निर्णायक भूमिका

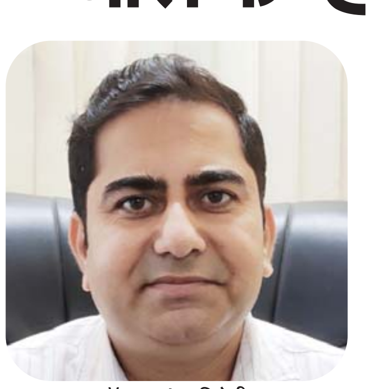

डॉ. शशांक द्विवेदी

जब एल्गोरिद्म यह तय करने लगें कि किसे निशाना बनाया जाए, तो मानव नैतिकता और जिम्मेदारी का स्थान क्या होगा युद्ध का निर्णय केवल तकनीकी गणना का विषय नहीं हो सकता। हर लक्ष्य के पीछे मनुष्य का जीवन और समाज की संरचना जुड़ी होती है।

हाल ही में ईरान पर हुए हमलों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि आधुनिक युद्ध अब केवल हथियारों की ताकत से नहीं, बल्कि डेटा, एल्गोरिद्म और मशीनों की गति से भी लड़े जा रहे हैं। पिछले दिनों अमेरिका और उसके सहयोगियों द्वारा ईरान पर किए गए हमलों में एआई की निर्णायक भूमिका सामने आई। रिपोर्टों के अनुसार, एआई आधारित 'मेवन स्मार्ट सिस्टम' ने रियल-टाइम में लाखों डेटा और निगरानी सूचनाओं का विश्लेषण कर संभावित लक्ष्यों की पहचान की। इस तकनीक की मदद से कुछ ही घंटों में सैकड़ों हमले किए गए और बड़ी संख्या में लोग मारे गए।

न्यूयार्क टाइम्स के अनुसार, मेवन सिस्टम के विकास की शुरुआत 2017 में हुई थी। अमेरिकी रक्षा विभाग ने महसूस किया कि उनके पास ड्रोन फुटेज का इतना विशाल भंडार है कि उसे देखने के लिए पर्याप्त इंसान ही नहीं हैं। शुरुआत में, अमेरिकी सेना ने गूगल के साथ साझेदारी की। इसके विरोध में 3,000 से अधिक कर्मचारियों ने प्रदर्शन किया। वर्ष 2018 में गूगल ने इस प्रोजेक्ट से हाथ खींच लिए। बाद में पेंटागन ने एंडुइल इंडस्ट्रीज और पालंटिर जैसी छोटी टेक कंपनियों पर दांव लगाया।

पालंटिर टेक्नोलाजीज द्वारा तैयार किया गया मेवन स्मार्ट सिस्टम बेहद शक्तिशाली एआई एल्गोरिदम है, जिसने आधुनिक युद्ध के तौर-तरीकों को पूरी तरह से बदल दिया है। इसका मुख्य काम कंप्यूटर विजन का उपयोग करके युद्ध के मैदान की लाखों तस्वीरों और वीडियो फुटेज को स्कैन करना है। ड्रोन और सेटेलाइट से मिलने वाले अंतहीन वीडियो फुटेज को इंसान के लिए देख पाना और उसमें से खतरे को पहचानना नामुमकिन है। मेवन इसे सेकंडों में कर लेता है। यह सिस्टम भीड़ में से दुश्मन की गाड़ियों, हथियारों के डिपो और छिपे हुए ठिकानों को पहचान सकता है। यह शोर और सिग्नल के बीच अंतर कर सकता है, जिससे नागरिकों की मौत की संख्या कम करने और सटीक हमले करने में मदद मिलती है।

पहले किसी लक्ष्य की पहचान करने, उसकी पुष्टि करने और उस पर हमला करने में कई घंटे या कभी-कभी कई दिन लग जाते थे। अब यही प्रक्रिया कुछ ही मिनटों या सेकंडों में पूरी हो सकती है। उपग्रह चित्र, ड्रोन कैमरे, संचार संकेत और खुफिया जानकारी—इन सबका विश्लेषण करने के लिए एआई एल्गोरिद्म का उपयोग किया जा रहा है। मशीनें विशाल डेटा का विश्लेषण कर संभावित लक्ष्यों की सूची तैयार करती हैं और सैन्य कमांडरों को तुरंत निर्णय लेने में मदद करती हैं। मेवन प्रणाली उपग्रह चित्रों, ड्रोन फुटेज, संचार अवरोधन और अन्य खुफिया स्रोतों से आने वाले विशाल डेटा का विश्लेषण करती है। इसके बाद यह संभावित लक्ष्यों की सूची तैयार कर उन्हें प्राथमिकता के आधार पर क्रमबद्ध करती है, जिससे सैन्य कमांडर तेजी से निर्णय ले सकते हैं। यही कारण है कि आधुनिक युद्धों में हमलों की गति और तीव्रता दोनों बढ़ गई हैं। ऐसी तकनीक ने युद्ध संचालन की गति को लगभग दोगुना कर दिया है।

सवाल यह है कि जब एल्गोरिद्म यह तय करने लगें कि किसे निशाना बनाया जाए, तो मानव नैतिकता और जिम्मेदारी का स्थान क्या होगा? युद्ध का निर्णय केवल तकनीकी गणना का विषय नहीं हो सकता। हर लक्ष्य के पीछे मनुष्य का जीवन और समाज की संरचना जुड़ी होती है।

विशेषज्ञों का मानना है कि एआई आधारित युद्ध प्रणाली में गलती की संभावना भी उतनी ही खतरनाक हो सकती है जितनी उसकी क्षमता। यदि किसी नागरिक क्षेत्र को गलती से सैन्य लक्ष्य मान लिया जाए, तो उसके परिणाम विनाशकारी हो सकते हैं। कई अंतर्राष्ट्रीय संगठन और नीति विशेषज्ञ इस बात पर जोर देते हैं कि एआई आधारित हथियारों में अंतिम निर्णय मनुष्य के हाथ में ही रहना चाहिए। इसे 'ह्यूमन-इन-द-लूप' सिद्धांत कहा जाता है।

एआई, ड्रोन स्वार्म, स्वचालित हथियार और साइबर युद्ध—ये सब मिलकर भविष्य के युद्धों की नई तस्वीर बना रहे हैं। आने वाले वर्षों में युद्ध केवल जमीन, समुद्र और आकाश तक सीमित नहीं रहेगा; यह डेटा सेंटर, उपग्रह नेटवर्क और एल्गोरिद्म के स्तर पर भी लड़ा जाएगा।

भारत ने हाल के वर्षों में रक्षा तकनीक, ड्रोन और एआई अनुसंधान में तेजी दिखाई है, लेकिन वैश्विक प्रतिस्पर्धा को देखते हुए इस क्षेत्र में और अधिक निवेश और रणनीतिक सोच की आवश्यकता है। आत्मनिर्भर रक्षा तकनीक केवल सुरक्षा का प्रश्न नहीं है, बल्कि भविष्य की वैश्विक शक्ति संरचना में अपनी भूमिका तय करने का भी माध्यम है।

प्रश्न केवल तकनीक का नहीं, बल्कि मानवता का है। यदि युद्ध की गति मशीनों के हाथों में चली गई, तो क्या मानवीय विवेक पीछे छूट जाएगा? एआई युद्ध को तेज, सटीक और व्यापक बना सकता है, लेकिन यह भी उतना ही सच है कि हर बटन के पीछे अंततः एक मानव निर्णय होना चाहिए। युद्ध की सबसे बड़ी कीमत हमेशा इंसान ही चुकाता है—मशीनें नहीं।

लेखक विज्ञान विषयों के जानकार हैं।

राजपाट छोड़ दिल्ली जाने का इलहाम

उन्हें सत्य की खोज करने या पलटी मारने या किसी पर हमला करने का इलहाम नहीं हुआ था। उन्हें तो इलहाम यह हुआ था कि अब उन्हें जाकर राज्यसभा में बैठना चाहिए।

एक दिन सुबह आंख खुलते ही अचानक उन्हें इलहाम हुआ कि उन्हें दिल्ली जाना चाहिए। यह इलहाम वैसा नहीं था जैसे किसी महामानव को एक दिन अचानक यह इलहाम होता है कि अब उसे सत्य की खोज के लिए निकलना चाहिए। यह इलहाम वैसा भी नहीं था, जैसे इलहाम ट्रंप साहब को होते रहते हैं कि अब हमें वेनेजुएला के राष्ट्रपति को उठा लेना चाहिए या ईरान पर हमला कर देना चाहिए या किसी पर दो सौ-चार सौ पर्सेंट टैरिफ लगा देना चाहिए। यह इलहाम उन्हें पलटी मारने जैसा भी नहीं हुआ, जैसा कि उन्हें अक्सर अब तक होता आया है। उन्हें सत्य की खोज करने या पलटी मारने या किसी पर हमला करने का इलहाम नहीं हुआ था। उन्हें तो इलहाम यह हुआ था कि अब उन्हें जाकर राज्यसभा में बैठना चाहिए।

वे लोकसभा में बैठ लिए, वे विधानसभा में बैठ लिए, वे विधान परिषद में भी बैठ लिए, लेकिन आजतक राज्यसभा में नहीं बैठे। इसलिए एक दिन अचानक एक जबर्दस्त हुड़क उठी कि अब जाकर राज्यसभा में बैठा जाए। इच्छा तो बेशक उनकी राज्यसभा में जाकर धनखड़ साहब की तरह ही बैठने की रही होगी। लेकिन उस इच्छा को उन्होंने सार्वजनिक रूप से व्यक्त नहीं किया। वैसे तो धनखड़ साहब को भी एक दिन राज्यसभा में ही बैठे-बैठे अचानक यह इलहाम हुआ कि उनकी तबीयत खराब है और उन्हें घर बैठकर आराम करना चाहिए।

खैर, यह किस्सा धनखड़ साहब का नही, नीतीश बाबू का है। तो एक दिन अचानक नीतीश बाबू को यह इलहाम हुआ कि उन्हें दिल्ली जाना चाहिए। दिल्ली जाने का सपना न जाने कितने लोग पालते हैं और कितनों के लिए ही दिल्ली उतनी ही दूर रहती है, जितनी कहावत में पायी जाती है। बहरहाल, यूं तो वे दिल्ली से ही पटना आए थे, फिर भी ऐसा कतई नहीं है कि उन्होंने दिल्ली जाने का सपना कभी पाला ही न हो। यह सपना उन्होंने वैसे ही पाला है, जैसे शरद पवार से लेकर न जाने किस-किस ने पाला है। लेकिन इस सपने को पूरा करने के मामले में दिल्ली हमेशा दूर ही बनी रही। रहती भी क्यों न, वो भी तो पलटने में ही लगे रहे। इतना ज्यादा पलटने से आदमी पलटूराम हो जाता है। जो भी हो, इस बार उन्होंने यह सपना नहीं पाला। उन्हें बस इलहाम हुआ और उन्होंने जाकर राज्यसभा में बैठने की इच्छा जाहिर कर दी। वे इस माने में सौभाग्यशाली रहे कि उनकी यह इच्छा पूरी हो रही है। वरना बेरोजगारों की तो कोई छोटी-मोटी नौकरी पाने की इच्छा तक पूरी नहीं होती।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

प्रमुख खबरें

कन्या महाविद्यालय में स्टूडेंट स्किलिंग प्रोग्राम

दुर्ग। शासकीय डॉ. वामन वासुदेव पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग में नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) एवं उच्च शिक्षा विभाग के मध्य हुए एमओयू के अंतर्गत चार दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। उक्त कार्यशाला बीएफएसआई सेक्टर पर आधारित रही। कार्यशाला 9 मार्च से 12 मार्च तक संचालित की गई। उक्त कार्यशाला में प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों को बैंकिंग, वित्तीय सेवाएं, स्टॉक मार्केट की कार्यप्रणाली, बीमा क्षेत्र तथा निवेश के अवसर की संपूर्ण विस्तृत जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता सागर अंसारी, जिला कार्यक्रम प्रबंधक रहे। विशेष अतिथि अशोक कुमार सिंह, स्टेट डायरेक्टर आर सेटी छत्तीसगढ़ रहे।

गोकुल नगर में डेयरी के लिए रियायती दर पर भूखण्ड

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग के आयुक्त सुमित अग्रवाल के निर्देशानुसार नगर निगम क्षेत्र के डेयरी व्यवसाय को सुव्यवस्थित करने वार्ड 55 पुलगांव स्थित गोकुल नगर में रिक्त भूखण्डों के व्यवस्थापन की प्रक्रिया प्रारंभ की गई है। योजना के तहत निगम सीमा क्षेत्र के भीतर व्यवसाय कर रहे डेयरी व्यवसायियों के साथ-साथ शासन द्वारा संचालित विभिन्न परिवार मूलक एवं समूह मूलक रोजगार योजनाओं के उन हितग्राहियों को भी अवसर प्रदान किया जा रहा है, जो डेयरी व्यवसाय स्थापित करना चाहते हैं। इच्छुक हितग्राहियों से दिनांक 26 मार्च 2026 तक आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। भूखण्ड आबंटन से संबंधित नियम एवं शर्तों की विस्तृत जानकारी नगर पालिक निगम दुर्ग के कार्यालय बाजार विभाग में कार्यालयीन समय पर प्राप्त की जा सकती है।

घर बैठे ऑनलाइन टैक्स भुगतान की सुविधा, निगम ने जारी किया लिंक, 31 मार्च के बाद लगेगा सरचार्ज

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 के अंतिम माह मार्च में राजस्व वसूली को गति देने के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। निगम प्रशासन ने करदाताओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए शहर के सभी जोन कार्यालयों एवं मुख्य निगम कार्यालय में टैक्स काउंटर खोले हैं। साथ ही अवकाश के दिनों में भी नागरिकों को सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से काउंटर खुले रखने का निर्णय लिया गया है, ताकि नागरिक बिना किसी असुविधा के अपना कर जमा कर सकें। निगम अधिकारियों ने बताया कि करदाता 31 मार्च 2026 से पहले चालू वित्तीय वर्ष का संपत्तिकर एवं अन्य कर बिना किसी अतिरिक्त अधिभार या जुर्माने के जमा कर सकते हैं।

सहायक राजस्व निरीक्षक भी वार्डों में घर-घर पहुंचकर करदाताओं से संपर्क कर रहे हैं और उन्हें समय पर टैक्स जमा करने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। नगर निगम क्षेत्र के भवन एवं भूमि स्वामियों से अपील की गई है कि वे

वित्तीय वर्ष 2025-26 का संपत्तिकर, यूजर चार्ज, जलकर, भू-भाटक तथा दुकान किराया 31 मार्च 2026 से पहले अनिवार्य रूप से जमा करें। समय सीमा के भीतर कर जमा करने से नागरिकों को अतिरिक्त अधिभार एवं दंड से बचने का लाभ मिलेगा। जिन करदाताओं का पूर्व वर्षों का संपत्तिकर बकाया है, वे भी 31 मार्च से पहले भुगतान कर अधिभार से बच सकते हैं। नागरिकों की सुविधा के लिए नगर निगम द्वारा ऑनलाइन भुगतान की व्यवस्था भी उपलब्ध कराई गई है। इसके लिए निगम ने https://municipalcorporation.in/ लिंक जारी किया है, जिसके माध्यम से नागरिक घर बैठे ही अपने करों का ऑनलाइन भुगतान कर सकते हैं।

निगम प्रशासन ने यह भी बताया कि प्रत्येक शनिवार एवं रविवार को भी सभी जोन कार्यालयों तथा मुख्य कार्यालय में संपत्तिकर काउंटर सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक खुले रहेंगे, जिससे करदाता अवकाश के दिनों में भी आसानी से अपना कर जमा कर सकेंगे।

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत दुर्ग निगम को 247 बीएलसी आवास स्वीकृत

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। भारत सरकार के शहरी विकास मंत्रालय द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत नगर पालिक निगम दुर्ग को बड़ी सौगात मिली है। निगम क्षेत्र के पात्र हितग्राहियों को पक्का आवास उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कुल 247 बीएलसी आवासों की स्वीकृति प्राप्त हुई है। इसमें 169 आवास एवं 78 आवास शामिल हैं, जिनकी स्वीकृति राज्य शासन के माध्यम से प्रदान की गई है।

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आर्थिक रूप से कमजोर एवं आवासहीन परिवारों को अपने स्वयं के पक्के घर का सपना साकार करने का अवसर मिल रहा है। इसी कड़ी में नगर निगम दुर्ग क्षेत्र के पात्र हितग्राहियों को योजना का लाभ प्रदान करने के लिए राज्य शासन द्वारा स्वीकृति जारी की गई है, जिससे अब लाभार्थियों को अपने घर के निर्माण के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जा सकेगी।

नगर निगम दुर्ग द्वारा योजना के अंतर्गत स्वीकृत आवासों के निर्माण की प्रक्रिया को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाया जाएगा, ताकि पात्र हितग्राहियों को समयबद्ध तरीके से योजना का लाभ मिल सके। निगम प्रशासन द्वारा हितग्राहियों को आवश्यक मार्गदर्शन एवं सहयोग भी प्रदान किया जाएगा, जिससे वे अपने पक्के मकान का निर्माण कर सकें।

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) का उद्देश्य शहरी क्षेत्रों में रहने वाले आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों को सुरक्षित और स्थायी आवास उपलब्ध कराना है।

नगर निगम दुर्ग इस योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए निरंतर प्रयासरत है, ताकि अधिक से अधिक पात्र परिवारों को इस महत्वपूर्ण योजना का लाभ मिल सके।

बता दे कि योजना के तहत पात्र हितग्राहियों को अपने आवास निर्माण के लिए नगरीय निकाय से ही भवन अनुज्ञा लेना अनिवार्य होगा, जिसकी प्रति राज्य शहरी विकास अभिकरण को भेजना आवश्यक रहेगा। योजना के अनुसार हितग्राही 30 से 45 वर्ग मीटर कारपेट क्षेत्रफ्ल तक का आवास निर्माण कर सकेंगे।

नगर निगम द्वारा जारी भवन अनुज्ञा में प्रस्तावित आवास का कारपेट क्षेत्रफल दर्ज किया जाएगा और उसी के अनुरूप निर्माण करना अनिवार्य होगा। साथ ही मिशन की मार्गदर्शिका के अनुसार हितग्राहियों का जातिगत आधार पर वर्गीकरण (अजजा, अजा, अपिव एवं सामान्य) किया जाना भी सुनिश्चित किया जाएगा।

योजना के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को आवास निर्माण के लिए कुल 2.50 लाख रुपये की अनुदान राशि (केंद्रांश 1.50 लाख एवं राज्यांश 1.00 लाख) चार किश्तों में प्रदान की जाएगी।

इसमें फाउंडेशन स्तर पर 63 हजार रुपये, लिंटल स्तर पर 87 हजार रुपये, रूफ स्तर पर 65 हजार रुपये तथा पूर्ण स्तर पर 35 हजार रुपये जारी किए जाएंगे। यह राशि भारत सरकार के निर्देशानुसार एसएनए स्पर्श प्रणाली के माध्यम से सीधे हितग्राहियों के खातों में भेजी जाएगी।

इसके अलावा मुख्यमंत्री गृह प्रवेश सम्मान योजना के तहत जो हितग्राही निर्धारित 18 माह की अवधि में अपना आवास निर्माण पूर्ण कर गृह प्रवेश करेंगे, उन्हें अतिरिक्त 32,850 रुपये की प्रोत्साहन राशि सीधे खाते में दी जाएगी। योजना के अंतर्गत आवंटित राशि का 70 प्रतिशत उपयोग होने के बाद उपयोगिता प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने पर अनुदान की अगली किश्त जारी की जाएगी।

पथरिया डोमा की पुष्पलता ने लिखी सफलता की नई इबारत

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। छत्तीसगढ़ शासन की जनहितकारी योजनाओं व प्रयासों ने ग्रामीण महिलाओं के सपनों को भी नई बुलंदियां दी है, जिससे वे आर्थिक स्वावलंबन की दिशा में निरंतर अग्रसर हैं। दुर्ग जिले के पथरिया डोमा की पुष्पलता पारकर की कहानी आज उन तमाम महिलाओं के लिए एक मिसाल है, जो उद्यमी बनने का सपना तो देखती हैं, लेकिन संसाधनों की कमी के आगे ठिठक जाती हैं। पुष्पलता के इस सफर की शुरुआत हुई, जब उन्होंने शासन के पंचायत विभाग से वाशिंग पाउडर निर्माण का तकनीकी प्रशिक्षण प्राप्त किया। शुरुआती दौर में जब वे अपना उत्पाद लेकर गांव-गांव घूमती थीं, तो उन्हें लोगों के कड़े सवालों का सामना करना पड़ता था। लोग अक्सर नामी नेशनल ब्रांड्स का हवाला देकर उनसे सामान खरीदने में हिचकते थे, लेकिन पुष्पलता ने हार नहीं मानी। उन्होंने अपनी मेहनत से उत्पाद की गुणवत्ता को इतना बेहतर बनाया कि धीरे-धीरे सस्ती कीमत और बेहतरीन सफाई के उनके वादे पर ग्रामीणों का भरोसा जमने लगा। जैसे-जैसे उनके वाशिंग पाउडर की मांग आसपास के 15 गांवों में बढ़ी, पुष्पलता ने अपने काम को विस्तार देने का निर्णय लिया। इस मोड़ पर बिहान योजना उनके लिए वरदान साबित हुई, जिसके माध्यम से उन्होंने ऋण (लोन) लेकर एक ई-रिक्शा खरीदा। आज पुष्पलता न केवल खुद ई-रिक्शा चलाकर घर-घर जाकर सामान की डिलीवरी करती हैं, बल्कि इस वाहन का बहुआयामी उपयोग कर अपनी आय के स्रोत भी बढ़ा रही हैं। वे अपने ई-रिक्शा के माध्यम से स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम स्कूल (सेजेस) के बच्चों को सुरक्षित स्कूल तक पहुँचाती हैं, जिससे उन्हें अतिरिक्त आर्थिक लाभ होता है। आज पुष्पलता केवल अपने व्यवसाय में ही नहीं, बल्कि अपनी बेटी ख्याति के उज्ज्वल भविष्य में भी निवेश कर रही हैं।

मगनभाई के नेत्रदान से रौशन होगी दो नेत्रहीनों की दुनिया

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। आर्य नगर निवासी श्री मगन भाई कांजी भाई सोलंकी के निधन के पश्चात उनका नेत्रदान एवं देहदान मानवता के प्रति समर्पण का प्रेरणादायी उदाहरण बन गया। उनके नेत्रदान से दो नेत्रहीन व्यक्तियों को नेत्रज्योति प्राप्त होगी।

श्री सोलंकी के निधन के उपरांत उनकी पुत्री प्रतिभा बेन क्षत्रीय, भावना बेन टांक एवं उमेश भाई चौहान की सहमति से नेत्रदान एवं देहदान की संपूर्ण प्रक्रिया विधिवत संपन्न की गई। परिवार के इस संवेदनशील एवं समाजहितकारी निर्णय की समाज में सराहना की जा रही है।

नवदृष्टि फाउंडेशन की ओर से कुलवंत भाटिया, राज आढ़तिया, यतीन्द्र चावड़ा, प्रभुदयाल उजाला, हरमन दुलई, जितेंद्र हासवानी, राजेश पारख एवं सुरेश जैन आर्य नगर स्थित निवास पर उपस्थित रहकर व्यवस्थाओं को संभाला और पूरी प्रक्रिया को सुचारु रूप से संपन्न कराया।

श्री शंकराचार्य मेडिकल कॉलेज की टीम में डॉ. संदीप बचकर, डॉ. याशिका चंद्रा एवं डॉ. अंजलि कश्यप ने निवास स्थान पहुंचकर कॉर्निया संकलित किए। वहीं कॉलेज के एनाटॉमी विभाग की प्रमुख डॉ. अंजलि वंजारी के निर्देशन में संदीप रिशबुड एवं दयाराम द्वारा देहदान की प्रक्रिया पूर्ण की गई।

प्रतिभा बेन क्षत्रीय ने कहा कि पिता के निधन से परिवार को गहरा आघात लगा, किंतु उनके संस्कारों से ही उन्हें नेत्रदान एवं देहदान का निर्णय लेने की प्रेरणा मिली। उन्होंने कहा कि अब पिता की स्मृतियां ही उन्हें समाज सेवा के लिए प्रेरित करती रहेंगी।

उमेश भाई चौहान ने कहा कि उन्होंने एक सच्चा मित्र खो दिया, लेकिन उनकी बेटियों ने नेत्रदान और देहदान का निर्णय लेकर यह सिद्ध कर दिया कि बेटियां भी अपने पिता के प्रति पूर्ण समर्पित होती हैं। यश चावड़ा ने कहा कि सोलंकी समाज का यह प्रतिष्ठित परिवार सदैव धार्मिक एवं सामाजिक कार्यों में सहयोग करता रहा है। आज परिवार के मुखिया के नेत्रदान एवं देहदान के निर्णय से सोलंकी परिवार ने समाज के सामने अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है।

सर्वधर्म सेवा संस्थान को मिला सम्मान

भिलाई। सामाजिक सेवा और मानवता के कार्यों में पिछले 21 वर्षों से सक्रिय सर्वधर्म सेवा संस्था को एक और महत्वपूर्ण सम्मान प्राप्त हुआ है। भिलाई स्टील प्लांट के अंतर्गत संचालित जवाहर लाल नेहरू चिकित्सालय एवं अनुसंधान केंद्र द्वारा संस्था के अध्यक्ष सुरेश खांडवे तथा उनकी पूरी टीम को उत्कृष्ट सामाजिक सेवा एवं मानवीय कार्यों के लिए प्रशंसा-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया है। इस अवसर पर संस्था द्वारा समाज के गरीब, असहाय एवं जरूरतमंद लोगों की सहायता, स्वास्थ्य जागरूकता अभियान, रक्तदान शिविर, आपदा राहत सहयोग तथा देहदान-अंगदान के प्रति जनजागरूकता जैसे कार्यों की सराहना की गई।

महतारी वंदन की राशि से खरीदी सिलाई मशीन

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। जिला दुर्ग के विकासखण्ड पाटन अंतर्गत ग्राम असोगा की निवासी येश्वरी साहू का जीवन कभी कठिन संघर्षों से भरा हुआ था। उनके पति उमेश साहू के निधन के बाद अचानक पूरे परिवार की जिम्मेदारी उनके कंधों पर आ गई। दो छोटे बच्चों की परवरिश और घर की रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करना उनके लिए बेहद मुश्किल हो गया था।

इसी कठिन समय में महतारी वंदन योजना उनके जीवन में आशा की किरण बनकर आई। उन्होंने अपने गांव के आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 2 के माध्यम से इस योजना के लिए आवेदन किया। योजना के तहत उन्हें हर महीने 1000 रुपये की सहायता राशि मिलने लगी। यह छोटी सी आर्थिक मदद उनके लिए बहुत बड़ा सहारा साबित हुई। येश्वरी साहू ने इस राशि को केवल खर्च करने के बजाय समझदारी से उपयोग करने का निर्णय लिया। उन्होंने इस सहायता राशि से सिलाई मशीन खरीदी और अपने गांव में कपड़े सिलने का काम शुरू किया। धीरे-धीरे लोगों को उनके काम के बारे में पता चला और गांव के कई लोग उनके पास कपड़े सिलवाने आने लगे। सिलाई के काम से उनकी आमदनी बढ़ने लगी, जिससे अब वे अपने बच्चों की पढ़ाई और घर के खर्च को बेहतर तरीके से संभाल पा रही हैं। पहले जहां उन्हें भविष्य की चिंता सताती थी, वहीं अब वे अपने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए मेहनत कर रही हैं। उनका सपना है कि उनके बच्चे उच्च शिक्षा प्राप्त करें और जीवन में सफल बनें। येश्वरी कहती है कि सही समय पर मिली छोटी सी मदद भी किसी के जीवन को नई दिशा दे सकती है। येश्वरी दिल से छत्तीसगढ़ सरकार और मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करती हैं, जिन्होंने महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए इस योजना की शुरुआत की।

हेमचंद यादव यूनिवर्सिटी में दृष्टिबाधित शोध छात्र का लिया गया पीएचडी वायवा

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय तथा हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग के इतिहास में पहिली बार हिन्दी विषय के एक दृष्टिबाधित शोध छात्र का पीएचडी वायवा विश्वविद्यालय परिसर स्थित टैगोर हॉल में आयोजित हुआ। साईंस कालेज के मीडिया प्रभारी डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव ने बताया कि शासकीय राजीव लोचन महाविद्यालय, राजिम के हिन्दी विभाग के दृष्टिबाधित सहायक प्राध्यापक योगेश कुमार तारक ने शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग के हिन्दी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अभिनेष सुराना के मार्गदर्शन में अपना शोध प्रबंधन पावर प्वाइंट प्रस्तुतिकरण के माध्यम से प्रस्तुत किया। इनका शोध विषय केदारनाथ 'शब्द मसीहा' के साहित्य में सामाजिक यथार्थ : एक विश्लेषण था।

कुलपति डॉ. संजय तिवारी तथा बाह्य परीक्षक के रूप में उपस्थित मध्य प्रदेश निजी विश्वविद्यालय नियामक आयोग के अध्यक्ष डॉ. खेमचंद डहारिया ने योगेश कुमार तारक के शोध कार्य की प्रशंसा करते हुए कहा उसे अनुकरणीय बताया। योगेश ने 6 अध्यायों में अपने शोध कार्य को विभक्त करते हुए केदारनाथ 'शब्द मसीहा' के साहित्य में सामाजिक यथार्थ के खूबसूरत प्रस्तुतिकरण किया।

वीडियो चैलेंज, क्विज एवं लोगो डिजाइन प्रतियोगिता

- विकसित भारत-जी राम जी डिजिटल अभियान से युवाओं को मिलेगा अपनी रचनात्मकता दिखाने का अवसर
- प्रतियोगिता में भाग लेने की अंतिम तिथि 20 मार्च 2026 निर्धारित

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। ग्रामीण विकास एवं आजीविका से युवाओं को जोड़ने के उद्देश्य से केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा राष्ट्रव्यापी विकसित भारत-जी राम जी यूथ डिजिटल कैंपेन की शुरुआत की गई है। यह अभियान माय भारत पोर्टल के सहयोग से संचालित किया जा रहा है, जिसके माध्यम से देशभर के युवा वीडियो चौलेंज, क्विज तथा रचनात्मक प्रतियोगिताओं में भाग लेकर इस डिजिटल जनआंदोलन से जुड़ सकते हैं।

अभियान के अंतर्गत माय विलेज चैलेंज नाम से राष्ट्रीय स्तर पर शॉर्ट वीडियो/रील प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। इसमें 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के युवा किसी भी भारतीय भाषा में 30 से 60 सेकंड की अवधि का वीडियो तैयार कर माय भारत पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन अपलोड कर सकते हैं। अपलोड किए जाने वाले वीडियो की अधिकतम साइज 25 एमबी निर्धारित की गई है।

चयनित प्रतिभागियों को केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा आयोजित कार्यक्रम में अपने अनुभव साझा करने का अवसर भी प्राप्त होगा।

माय भारत पोर्टल पर विकसित भारत-जी राम जी अधिनियम से संबंधित क्विज प्रतियोगिता भी आयोजित की जा रही है। इसमें निर्धारित समयावधि में 20 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रतिभागियों को ऑनलाइन प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा। इसके अतिरिक्त मायजीओभी पोर्टल पर विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) एक्ट के लिए विकसित भारत-जी राम जी एक्ट, 2025 का लोगो डिजाइन प्रतियोगिता भी आयोजित की गई है। लोगो डिजाइन प्रतियोगिता के माध्यम से देश के नागरिकों को रचनात्मक एवं नवाचार पूर्ण डिजाइन प्रस्तुत करने का अवसर मिलेगा। चयनित सर्वश्रेष्ठ लोगो को अधिनियम का आधिकारिक लोगो बनाया जाएगा, जिसका उपयोग भविष्य में प्रचार-प्रसार तथा अन्य गतिविधियों में किया जाएगा। सर्वश्रेष्ठ लोगो डिजाइन करने वाले विजेता को केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय की ओर से 50 हजार रुपये का पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। चयनित लोगो के सभी

खास खबर

शहर के दो होटलों से तीन घरेलू गैस सिलेण्डर जब्त

धमतरी। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा के निर्देशानुसार खाद्य विभाग की टीम ने गोलबाजार एवं बठेना, बस स्टैण्ड स्थित दो होटलों में तीन घरेलू गैस सिलेण्डर जब्त कर संचालकों के विरुद्ध कार्रवाई की गई। बैगा होटल गोल बाजार में घरेलू गैस सिलेण्डर का व्यवसायिक उपयोग किया जाना पाया गया। दो घरेलू गैस सिलेण्डर, एक रेगुलेटर पाईप सहित बर्नर की जप्ति की गई। इसी तरह बठेना-बस स्टैण्ड स्थित दीपू होटल व कैलाश होटल में जांच के दौरान घरेलू गैस सिलेण्डर का अवैध उपयोग करते पाए जाने पर उक्त प्रतिष्ठान के संचालक के विरूद्ध कार्रवाई करते हुए एक घरेलू गैस सिलेण्डर, एक सिंगल बर्नर चूल्हा और पाईप सहित रेगुलेटर जब्त किया गया।

जाति प्रमाण-पत्र मामले में चीफ इंजीनियर को राहत

रायपुर। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के चीफ इंजीनियर केके कटारे के जाति प्रमाण-पत्र मामले में नया मोड़ आ गया है। उच्च स्तरीय प्रमाणीकरण छानबीन समिति द्वारा प्रमाण-पत्र निरस्त किए जाने के बाद कटारे ने इस फैसले को छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। हाईकोर्ट ने फिलहाल समिति के आदेश पर स्टे लगा दिया है, जिससे कटारे को अस्थायी राहत मिल गई है। प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा की अध्यक्षता वाली उच्च स्तरीय समिति ने केके कटारे के जाति प्रमाण-पत्र को फर्जी बताते हुए उसे निरस्त कर दिया था। समिति का कहना था कि कटारे का मूल निवास महाराष्ट्र के तुमसर में है, जबकि उन्होंने मध्यप्रदेश के बालाघाट से अनुसूचित जाति का लाभ लिया है। इस मामले की शिकायत वर्ष 2017 से जनपद पंचायत डोंगरगांव के उपाध्यक्षों द्वारा लगातार की जा रही थी।

'कोरिया मोदक' और समझाइश से बची दो-दो जिंदगियां, पण्डो महिला का कराया सुरक्षित संस्थागत प्रसव

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। कोरिया के दूरस्थ वनांचल क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने के जिला प्रशासन के प्रयासों को एक बड़ी सफलता मिली है। सोनहत विकासखंड के ग्राम अकलासरई में गंभीर एनीमिया से पीड़ित एक हाई रिस्क गर्भवती महिला को समझाइश और काउंसलिंग के बाद सुरक्षित संस्थागत प्रसव से जोड़ा गया, जिससे जच्चा और बच्चा दोनों सुरक्षित हैं।

ग्राम अकलासरई निवासी 24 वर्षीय श्रीमती आरती, जो विशेष पिछड़ी पण्डो जनजाति से हैं, अपनी पहली गर्भावस्था के दौरान गंभीर एनीमिया से पीड़ित थी जिसमें उनका हीमोग्लोबिन 7 ग्राम प्रति डेसीलीटर से कम हो गया और सिकलिंग पॉजिटिव भी पाई गई थीं। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आंगनबाड़ी केंद्र के माध्यम से उन्हें नियमित रूप से 'कोरिया मोदक' लड्डू उपलब्ध कराया गया, जिससे उनका स्वास्थ्य धीरे-धीरे स्थिर हुआ और

प्रसव के समय उनका हीमोग्लोबिन स्तर बढ़कर 8.3 ग्राम प्रति डेसीलीटर तक पहुंच गया।

गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल बैकुण्ठपुर रेफर किया गया था, लेकिन जागरूकता की कमी और डर के कारण महिला और उसके परिजन अस्पताल से लौटकर गांव चले गए। जानकारी मिलने पर कलेक्टर श्रीमती चन्दन त्रिपाठी के निर्देश पर अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) सोनहत श्री अंशुल वर्मा के नेतृत्व में राजस्व और स्वास्थ्य विभाग की टीम गांव पहुंची।

प्रशासनिक टीम के पहुंचने की खबर से घबराकर महिला और उसके परिजन अस्पताल न जाने की जिद्द लिए जंगल की ओर चले गए, लेकिन टीम ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों, शिक्षित ग्रामीणों और मितानिनों की मदद से धैर्यपूर्वक काउंसलिंग कर परिवार से कहा 'हम आपके साथ हैं' और इस तरह सुरक्षित प्रसव के लिए तैयार किया।

पीएम किसान सम्मान निधि की 22वीं किश्त : 24 लाख किसानों के खातों में पहुंचे 498.83 करोड़

किसानों की समृद्धि के लिए निरंतर कार्यरत है डबल इंजन सरकार : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने असम की राजधानी गुवाहाटी से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 22वीं किश्त जारी की। इस दौरान देशभर के 9 करोड़ से अधिक किसानों के खातों में लगभग 18 हजार 640 करोड़ रुपये से अधिक की राशि सीधे हस्तांतरित की गई। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के 24 लाख 71 हजार किसानों के खातों में 498.83 करोड़ रुपये की राशि अंतरित की गई।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राजधानी रायपुर स्थित इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के सभागार में आयोजित प्रधानमंत्री किसान निधि सम्मान योजना राशि अंतरण एवं पीएम किसान उत्सव दिवस कार्यक्रम में किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि आज का दिन प्रदेश के किसान भाइयों और बहनों के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के माध्यम से किसानों को हर वर्ष तीन किश्तों में कुल 6 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है, जो किसानों के परिश्रम और उनके योगदान के सम्मान का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ के किसानों को अब तक

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत 11 हजार 283 करोड़ रुपये से अधिक की राशि प्राप्त हो चुकी है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसानों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। सरकार बनने के बाद सबसे पहले किसानों को बोनस राशि प्रदान की गई और 13 लाख किसानों के खातों में 3 हजार 716 करोड़ रुपये अंतरित किए गए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ देश का पहला राज्य है जहां प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान की खरीदी और 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से भुगतान किया जा रहा है। समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के 48 घंटे के भीतर किसानों के खातों में भुगतान सुनिश्चित किया गया। इसके साथ ही कृषक उन्नति योजना के तहत 25 लाख से अधिक किसानों के खातों में 10 हजार 324 करोड़ रुपये की राशि होली से पहले अंतरित की गई।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि किसानों की आय बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा दलहन, तिलहन, मक्का, कोदो-कुटकी, रागी और कपास जैसी फसलों की खेती को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। सिंचाई के लिए कृषि पंपों को मुफ्त बिजली उपलब्ध कराई जा रही है, जिसके लिए इस वर्ष के बजट में 5 हजार 500 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। साथ ही जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए 40 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। किसानों के खेतों तक पानी पहुंचाने के उद्देश्य से दो वर्षों में 10 हजार करोड़ रुपये की सिंचाई परियोजना भी शुरू की गई है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम ने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना किसानों के लिए बड़ी मदद साबित हो रही है। उन्होंने किसानों से धान के साथ-साथ अन्य फसलों की खेती की ओर भी ध्यान देने की अपील की, जिससे पानी की बचत होगी और किसानों की आय में वृद्धि होगी। धरसीवां विधायक श्री अनुज शर्मा ने भी किसानों को संबोधित करते हुए बधाई दी।

इस अवसर पर विधायक अनुज शर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष नवीन अग्रवाल, छत्तीसगढ़ राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम के अध्यक्ष चंद्रहास चंद्राकर, कृषि विभाग के संचालक राहुल देव, छत्तीसगढ़ बीज विकास निगम के एमडी अजय अग्रवाल, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी और बड़ी संख्या में किसान उपस्थित थे।

25 महाविद्यालयों के बनेंगे नए भवन, 6 में अतिरिक्त कक्ष

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा में आज उच्च शिक्षा मंत्री टंक राम वर्मा के उच्च शिक्षा विभाग के लिए वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में 1306 करोड़ रुपये से अधिक की अनुदान मांगें पारित कर दी गई।

अनुदान मांगों पर चर्चा का जवाब देते हुए मंत्री वर्मा ने कहा कि शिक्षा किसी भी राज्य के सामाजिक, आर्थिक और बौद्धिक विकास की आधारशिला है। सरकार का लक्ष्य प्रदेश के प्रत्येक विद्यार्थी को गुणवत्तापूर्ण, आधुनिक और रोजगारोन्मुख शिक्षा उपलब्ध कराना है। मंत्री वर्मा ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 में उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत कुल 37 योजनाएं संचालित की जा रही हैं। यह बजट प्रावधान प्रदेश में उच्च शिक्षा के विस्तार, गुणवत्ता सुधार और अधोसंरचना विकास की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगा।

मंत्री ने बताया कि वंचित क्षेत्रों के लिए वित्तीय संसाधनों में भी वृद्धि की गई है। वर्ष 2025-26 में अनुसूचित जनजाति बहुल क्षेत्रों के लिए 230.36 करोड़ रुपये का प्रावधान था, जिसे बढ़ाकर 2026-27 में 249.61 करोड़ रुपये कर दिया गया है। इसी प्रकार अनुसूचित जाति बहुल क्षेत्रों के लिए 103.10 करोड़ रुपये के प्रावधान को बढ़ाकर 120.23 करोड़ रुपये किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश को वर्ष 2047 तक विकसित राज्य बनाने के लक्ष्य के तहत सरकार ने जीवायएएन (गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी) को विकास का प्रमुख स्तंभ बनाया है। वर्ष 2024-25 में राज्य में महाविद्यालयों की संख्या 335 थी, जो 2025-26 में बढ़कर 343 हो गई है।

धरती को मां का दर्जा देती है भारतीय संस्कृति प्रकृति संरक्षण हमारी परम्परा : मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ देश की अर्थव्यवस्था का पावर इंजन है और अब हमारा राज्य ग्रीन इकोनॉमी के क्षेत्र में भी अपनी भूमिका लगातार मजबूत कर रहा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर के पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय स्थित ऑडिटोरियम में आयोजित दूसरे छत्तीसगढ़ हरित शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ हरित सम्मेलन की उपयोगिता इसलिए और बढ़ जाती है क्योंकि इसके माध्यम से पॉलिसी मेकिंग से जुड़े लोग, उद्योग जगत, शैक्षणिक संस्थान, शोधकर्ता और पर्यावरणविद एक मंच पर आकर महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में जलवायु संकट लगातार

बढ़ रहा है, ऐसे में यह आवश्यक है कि हम पर्यावरण संरक्षण के उपायों पर केवल चिंतन ही न करें, बल्कि उन्हें व्यवहार में भी उतारें।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली डबल इंजन सरकार हमेशा से विरासत के साथ विकास की पक्षधर रही है। पर्यावरण अनुकूल जीवनशैली हमारी हजारों वर्षों पुरानी परंपरा रही है और उसकी रक्षा के लिए सरकार नीतिगत स्तर पर लगातार ठोस कदम उठा रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ देश में स्टील उत्पादन का एक बड़ा केंद्र है और इस क्षेत्र में कार्बन फुटप्रिंट कम करने के लिए ग्रीन स्टील जैसे नवाचारों को अपनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि भारतीय वन सर्वेक्षण रिपोर्ट 2023 के अनुसार संयुक्त वन एवं वृक्ष आवरण वृद्धि के मामले में छत्तीसगढ़ ने देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि राज्य सरकार की नीतियों के साथ-साथ प्रदेशवासियों की जागरूकता और पर्यावरण के प्रति उनकी जिम्मेदारी का परिणाम है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य में सोलर रूफटॉप योजना के माध्यम से उपभोक्ताओं को ऊर्जादाता बनाया जा रहा है और बायो-एथेनॉल जैसे क्षेत्रों में भी निवेश की व्यापक संभावनाएं उभर रही हैं। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा एक पेड़ मां के नाम जैसे अभियान चलाकर लोगों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की संस्कृति में धरती को मां का दर्जा दिया गया है, इसलिए संसाधनों का उपयोग करते समय पर्यावरण और धरती के स्वास्थ्य का ध्यान रखना हमारी जिम्मेदारी है।

आत्मानंद स्कूलों में संविदा भर्ती, पात्र-अपात्र शिक्षकों की सूची जारी

सुकमा। जिले में संचालित स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों में शैक्षणिक व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में जिला प्रशासन द्वारा भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी ढंग से आगे बढ़ाया जा रहा है। जिला शिक्षा कार्यालय सुकमा द्वारा आत्मानंद विद्यालय पावारास सुकमा, कोण्टा, छिन्दगढ़, दोरनापाल, कुकानार एवं तोंगपाल में संविदा शिक्षकों की व्यवस्था हेतु विभिन्न पदों के लिए प्राप्त आवेदनों की पात्र एवं अपात्र अभ्यर्थियों की सूची जारी कर दी गई है। सूची में व्याख्याता (वाणिज्य, अंग्रेजी, भौतिकी एवं रसायन-अंग्रेजी माध्यम), शिक्षक कला समूह, अंग्रेजी (अंग्रेजी माध्यम) एवं संस्कृत, प्रधान पाठक प्राथमिक शाला स्तर (अंग्रेजी माध्यम), सहायक शिक्षक हिन्दी, विज्ञान एवं गणित (अंग्रेजी माध्यम) तथा प्री-प्राइमरी पदों के लिए प्राप्त आवेदनों का परीक्षण कर पात्रता स्थिति प्रकाशित की गई है।

टीजीएसबी बैंक : सहकारिता से मजबूत होगा आर्थिक सशक्तिकरण - मुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने शुक्रवार को राजधानी रायपुर के कटोरा तालाब में टीजेएसबी सहकारी बैंक की रायपुर शाखा का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि रायपुर में टीजेएसबी सहकारी बैंक की नई शाखा खुलने से प्रदेश की सहकारी गतिविधियों को गति मिलेगी।

उन्होंने कहा कि सहकारिता की भावना हमें सिखाती है कि हम मिलजुलकर आगे बढ़ें और एक-दूसरे को मजबूत बनाएं। श्री साय ने टीजेएसबी सहकारी बैंक की रायपुर शाखा में 24 घंटे संचालित एटीएम का भी शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने डॉ. केशव राव बलिराम हेडगेवार के छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित किया। श्री साय ने कहा कि सहकारी बैंक हमेशा आम आदमी के सबसे भरोसेमंद साथी रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस नई शाखा के खुलने से जरूरतमंदों को बेहतर बैंकिंग सुविधाएँ मिलेंगी। छोटे दुकानदारों, स्वरोजगार करने वालों और अपना काम शुरू करने वाले युवाओं को इससे बड़ी सहायता मिलेगी। इससे स्थानीय व्यापार और आर्थिक गतिविधियों को भी गति मिलेगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सहकार से समृद्धि का जो विजन देश में शुरू हुआ है, उसे छत्तीसगढ़ में भी तेजी से लागू किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार भी सहकारिता के इस मजबूत मॉडल को आगे बढ़ाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि टीजेएसबी बैंक ने एक छोटे से प्रयास के रूप में अपनी यात्रा शुरू की थी और आज इसका विस्तार कई राज्यों में हो चुका है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि टीजेएसबी बैंक की रायपुर शाखा भी सहकारिता की इसी भावना को आगे बढ़ाएगी और लोगों के जीवन में आर्थिक समृद्धि का नया रास्ता खोलेगी। इस अवसर पर टीजेएसबी बैंक के अध्यक्ष शरद गांगल, उपाध्यक्ष वैभव सिंगवी, व्यवस्थापकीय संचालक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री निखिल आरेकर सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित थे।

भारत मंडपम में गूंजी छत्तीसगढ़ के जल योद्धाओं की भी आवाज़

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर/नई दिल्ली। केन्द्रीय आवास और शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित अमृत मित्र महोत्सव में छत्तीसगढ़ की जल योद्धाओं ने अपनी आवाज बुलंद की। बिलासपुर नगर निगम की रुक्मिणी गोस्वामी और लोरमी की हेमलता खत्री ने केन्द्रीय आवास और शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल की मौजूदगी में देशभर की 1000 अमृत मित्रों के साथ अपने कार्यों के अनुभव साझा किए।

केन्द्रीय आवास और शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा अटल नवीकरण और शहरी परिवर्तन मिशन के तहत शहरी जल प्रबंधन एवं सतत विकास में महिलाओं की बढ़ती भूमिका को रेखांकित करने इस राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया था। इसमें छत्तीसगढ़ की 75 अमृत मित्र महिलाओं ने भागीदारी की। ये महिलाएं राज्य के विभिन्न नगरीय निकायों में वृक्षारोपण, जल गुणवत्ता परीक्षण, जल संरचना संचालन तथा सामुदायिक जल संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रही हैं। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव ने इन महिलाओं को नई दिल्ली के लिए रवाना किया था।

स्वसहायता समूहों की ये महिलाएँ 'वीमेन फॉर ट्री' अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण, हरित क्षेत्रों के संरक्षण तथा पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देने में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। छत्तीसगढ़ की ये अमृत मित्र महिलाएँ अपने-अपने शहरों में तकनीकी और सामुदायिक दोनों स्तरों पर महत्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ निभा रही हैं। घरों तक सुरक्षित पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने जल गुणवत्ता के परीक्षण, जल उपचार संयंत्रों और वितरण नेटवर्कों के संचालन तथा रखरखाव में सहयोग के साथ ही जल संरक्षण तथा कचरे से कंचन जैसे अभियान संचालित करती हैं।

'आदि परब' : बिखरे आदि रंग, परिधान और हाट के रंग

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राजधानी में आदि परब का रंगारंग आज आगाज हुआ। जनजातीय समाज के इस दो दिवसीय उत्सव में छत्तीसगढ़ सहित तेलंगाना, ओडिशा, महाराष्ट्र और झारखंड के आदिवासी लोक कलाकार शामिल हो रहे हैं। आदि परब की थीम 'परम्परा से पहचान तक' रखी गई है।

यह आयोजन छत्तीसगढ़ की समृद्ध जनजातीय संस्कृति, कला और परंपराओं को राष्ट्रीय मंच देने के उद्देश्य से किया जा रहा है। कल 14 मार्च को आदि परब के समापन समारोह में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय, आदिम जाति विकास मंत्री रामविचार नेताम सहित जनजातीय समाज के पदाधिकारी तथा अन्य जनप्रतिनिधि शामिल होंगे।

आदि परब का शुभारंभ नवा रायपुर स्थित आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान परिसर में छत्तीसगढ़ राज्य जनजातीय आयोग के अध्यक्ष श्री रूपसिंह मंडावी ने किया। राज्य अंत्याव्यावसायी आयोग के अध्यक्ष सुरेन्द्र कुमार बेहरा, प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा, टीआरटीआई के संचालक हिना अनिमेष नेताम, श्रीमती गायत्री नेताम सहित अन्य विभागीय अधिकारी तथा बड़ी संख्या में प्रदेश से जनजातीय समुदाय उपस्थित थे।

आदि परब के शुभारंभ अवसर पर जनजातीय समाज के आकर्षक परिधान से सजे-धजे युवाओं ने रैंप में आदिवासी संस्कृति और परंपराओं का प्रदर्शन किया। इसे लोगों ने उत्साह के साथ आनंद लिया। आदि परब में जनजातीय समाज के खान-पान, वेशभूषा, विभिन्न कलाकृतियों की प्रदर्शनी भी लगाई गई है, जो लोगों का आकर्षण का केन्द्र रही।

इसी तरह आदि-हाट जनजातीय शिल्प मेला भी लगाया गया है, जिसमें छत्तीसगढ़ के जनजातीय हस्तशिल्प, वनोपज और पारंपरिक उत्पादों का प्रदर्शन किया जा रहा है।

सरकारी कालेजों के इन पदों पर की जाएंगी 700 भर्तियां

- 625 सहायक प्राध्यापक, 50 ग्रंथपाल एवं 25 क्रीड़ा अधिकारी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की विशेष पहल पर राज्य के शासकीय महाविद्यालयों में शिक्षण एवं सहायक सेवाओं को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से उच्च शिक्षा विभाग द्वारा विभिन्न शैक्षणिक पदों पर भर्ती की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। विभाग द्वारा सहायक प्राध्यापक के 625 पद, ग्रंथपाल के 50 पद तथा क्रीड़ा अधिकारी के 25 पदों सहित कुल 700 पदों पर भर्ती की जाएगी।

उच्च शिक्षा विभाग ने भर्ती प्रक्रिया के तहत राज्य शासन के प्रचलित नियमों के अनुसार आरक्षण रोस्टर और विषयवार रिक्तियों का निर्धारण करते हुए उनका विस्तृत रोस्टर ब्रेक-अप भी तैयार कर लिया है। भर्ती प्रक्रिया को पूरा करने के लिए छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग को 24 फरवरी 2026 को विस्तृत जानकारी के साथ पत्र भी भेजा जा चुका है।

शासकीय महाविद्यालयों में सहायक प्राध्यापक के हिन्दी, अंग्रेजी, समाजशास्त्र, राजनीति शास्त्र, भौतिक शास्त्र, गणित, रसायन शास्त्र, वनस्पति शास्त्र एवं प्राणीशास्त्र के 50-50 पदों, अर्थशास्त्र, इतिहास, भूगोल के 25-25 पदों, कम्प्यूटर एप्लीकेशन के 15, वाणिज्य के 75, विधि के 10 पदों पर भर्ती के साथ ही क्रीड़ा अधिकारी के 25 पद तथा ग्रंथपाल के 50 पदों सहित कुल 700 पदों पर भर्ती की जाएगी। इन पदों के लिए आवश्यक शैक्षणिक योग्यता, भर्ती नियम, श्रेणीवार पदों की संख्या, परीक्षा हेतु पाठ्यक्रम तथा विज्ञापन प्रारूप भी छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग को प्रेषित कर दिया गया है। आयोग प्रशासनिक एवं तकनीकी औपचारिकताओं के बाद ज्ञापन जारी करेगा।

दिलजीत के साथ सपनों की दुनिया का किस्सा लेकर आए इम्तियाज, 'मैं वापस आऊंगा' का टीजर रिलीज

दिलजीत दोसांझ की फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' का टीजर मेकर्स ने जारी कर दिया है। फिल्म एक रोमांटिक स्टोरी पर आधारित है। जानिए, इस टीजर में क्या कुछ खास दिखा है?

दिलजीत दोसांझ फिल्म 'बॉर्डर 2' के बाद जल्द ही फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' में नजर आएंगे। शुक्रवार को इस फिल्म का टीजर सामने आया है। फिल्म का निर्देशन इम्तियाज अली ने किया है। फिल्म के टीजर में पुराने वक्त की एक प्रेम कहानी नजर आ रही है। इसमें शरवरी एक अलग अंदाज में दिखाई दीं।

रोमेंटिक लव पर आधारित होगी फिल्म

फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' की कहानी पंजाबी पृष्ट भूमि पर बेस्ड एक लव स्टोरी है। फिल्म में एक लड़का लड़की को पसंद करता है। उस लड़की को छिपकर देखता रहता है। जिसके बाद उनके मिलने के सीन को दिखाया गया। साथ ही एक्टर नसीरुद्दीन शाह भी फिल्म का हिस्सा हैं। दिलजीत दोसांझ अपने किरदार में भावुक दिखाए गए। फिल्म में पंजाब के हरे भरे खेतों से लेकर किरदार तक पुराने वक्त की याद दिला रहे हैं। शरवरी सलवार-कमीज में पंजाबी लड़की की भूमिका में काफी खूबसूरत दिखाई दीं। वही वेदांग रैना सिर पर पगड़ी बांधे नौजवान लड़के के किरदार मे हैं।

कब होगी फिल्म रिलीज

दिलजीत दोसांझ की फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' 12 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। फिल्म में शरवरी और वेदांग रैना भी मुख्य भूमिकाओं मे हैं। इस फिल्म को इम्तियाज अली ने निर्देशित किया है। साथ ही समीर नायर इसके प्रोड्यूसर हैं। फिल्म का निर्माण विंडो सीट फिल्म के बैनर तले हुआ है।

दीपिका पादुकोण ने मुंबई में बढ़ते प्रदूषण पर जताई चिंता

बीएमसी से की जांच और कार्रवाई करने की मांग

दीपिका पादुकोण ने मुंबई की खराब हवा और प्रदूषण को लेकर नाराजगी जताई है। जानिए बच्चों को लेकर चिंता जाहिर करते हुए उन्होंने बीएमसी से कर डाली ये मांग........

बॉलीवुड अभिनेत्री अपने अभिनय के साथ-साथ अन्य मुद्दों पर भी खुलकर अपनी राय रखती हैं। अब उन्होंने मुंबई में बढ़ते प्रदूषण के स्तर पर चिंता व्यक्त की है। एक्ट्रेस का कहना है कि खराब वायु गुणवत्ता के कारण शहर के निवासी और बच्चे सांस लेने में तकलीफ का सामना कर रहे हैं।

दीपिका ने तस्वीर साझा कर की कार्रवाई की मांग

दीपिका पादुकोण ने अपने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी साझा की है। इसमें उन्होंने मुंबई में प्रदूषण के मुद्दे को उजागर किया है। साथ ही नगर निगम अधिकारियों से हस्तक्षेप करने और कार्रवाई करने का आग्रह किया।

दीपिका ने मुंबई के प्रदूषण स्तर का स्क्रीनशॉट साझा किया। तस्वीर के साथ उन्होंने शहर के नगर निगम, बीएमसी को टैग किया और अधिकारियों से मामले की जांच करने को कहा। शहर की स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए अभिनेत्री ने लिखा कि मुंबई में रहने वाले लोग, विशेषकर बच्चे, बिगड़ती वायु गुणवत्ता के कारण सांस लेने में कठिनाई का सामना कर रहे हैं। यह कैसे ठीक है?

सिंघम अगेन में नजर आई थीं दीपिका

वर्कफ्रंट की बात करें तो दीपिका पादुकोण आखिरी बार 2024 में आई फिल्म 'सिंघम अगेन' में नजर आई थीं। इसमें उन्होंने अजय देवगन, अक्षय कुमार, करीना कपूर खान और अन्य कलाकारों के साथ स्क्रीन शेयर की थी। वो फिल्म में पुलिस कर्मचारी की भूमिका में नजर आई थीं।

ये हैं दीपिका की आगामी फिल्में

वहीं उनकी आगामी फिल्मों में शाहरुख खान के साथ 'किंग' शामिल है। इसमें सुहाना खान समेत एक बड़ी स्टारकास्ट नजर आएगी, जिसमें अभिषेक बच्चन, अनिल कपूर, जैकी श्रॉफ, अरशद वारसी, जयदीप अहलावत और रानी मुखर्जी के नाम शामिल हैं।

इसके अलावा एटली की तेलुगु एक्शन फिल्म का भी हिस्सा हैं, जिसका अस्थायी शीर्षक एए22×ए6 है। इसमें वो अल्लू अर्जुन के साथ प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी।

'परफेक्शन नहीं, प्रगति पर फोकस करो'

जेनेलिया डिसूजा ने जिम से पोस्ट की फोटो, सभी मॉम के नाम लिखा मैसेज

अभिनेत्री जेनेलिया डिसूजा ने जिम से अपनी एक फोटो सोशल मीडिया पर साझा की है। इसके साथ उन्होंने सभी माओं के नाम एक खूबसूरत मैसेज लिखा है।

जेनेलिया डिसूजा चर्चित एक्ट्रेस होने के साथ-साथ दो बच्चों की मां भी हैं। उनके दो बेटे रियान और राहिल हैं। जेनेलिया अपने परिवार को पूरा समय देती हैं। मगर, इसके साथ वे खुद पर भी पूरा ध्यान देती हैं। खासकर अपनी फिटनेस के बारे में कोई समझौता नहीं करती हैं। जेनेलिया ने गुरुवार को जिम से एक फोटो साझा की है। इसका कैप्शन और दमदार है।

जेनेलिया ने खुद को याद दिलाई यह बात

जेनेलिया डिसूजा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक फोटो शेयर की है। वे ब्लैक जैकेट और शॉर्ट्स में नजर आ रही हैं। उनकी टीशर्ट पर लिखा है, 'आई'। बता दें कि मराठी में मां को आई कहते हैं। यह फोटो शेयर करते हुए जेनेलिया ने सभी मॉम को फिटनेस के प्रति जागरुक करते हुए मैसेज लिखा है। वे लिखती हैं, 'आई यानी मां जिम में। प्रोग्रेस पर फोकस करो, परफेक्शन पर नहीं। यह एक छोटा सा रिमाइंडर मेरे लिए है और साथ ही इसे पढ़ने वाली सभी माओं के लिए भी है'।

जेनेलिया की डेब्यू फिल्म

जिम आउटफिट में हाथ में पानी की बोतल थामे जेनेलिया अपनी फिटनेस के प्रति पाबंद नजर आ रही हैं। जेनेलिया की टोन्ड बॉडी देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि वे अपनी सेहत और फिटनेस को लेकर कितनी जागरुक हैं। जेनेलिया के करियर की बात करें तो उन्होंने साल 2003 में फिल्म 'तुझे मेरी कसम' से डेब्यू किया था। इसी फिल्म से रितेश देशमुख ने भी डेब्यू किया था।

2012 में की रितेश से शादी

जेनेलिया डिसूजा मस्ती, जाने तू या जाने ना, चांस पे डांस, फोर्स, तेरे नाल लव हो गया और सितारे जमीन पर जैसी फिल्मों में काम कर चुकी हैं। निजी जिंदगी की बात करें तो उन्होंने साल 2012 में एक्टर रितेश देशमुख से शादी रचाई।

गैस खत्म होने पर इंडक्शन पर बनाएं ये 5 व्यंजन, झटपट हो जाते हैं तैयार

इंडक्शन एक आधुनिक रसोई उपकरण है, जो गैस खत्म होने पर खाना पकाने के लिए इस्तेमाल हो सकता है। इन दिनों गैस सिलेंडर मिलने में बहुत परेशानी हो रही है, जिस बीच यह बहुत काम आ सकता है। यह बिजली से चलता है और इससे खाना जल्दी और आसानी से तैयार हो जाता है। अगर आपके घर में गैस खत्म हो गई हो या कम हो तो इंडक्शन का इस्तेमाल करके आप ये 5 व्यंजन बना सकते हैं।

इडली

इडली दक्षिण भारतीय खान-पान का एक लोकप्रिय व्यंजन है। इसे इंडक्शन पर आसानी से बनाया जा सकता है। इसके लिए आप सबसे पहले चावल और उड़द दाल को रातभर भिगोकर पीस लें। इसके बाद इस मिश्रण को खमीर उठाने के लिए छोड़ दें। इसके बाद इंडक्शन पर भाप देने वाले बर्तन को गर्म करके उसमें तेल लगाएं। मिश्रण को छोटे-छोटे सांचे में डालकर 10-15 मिनट तक भाप में पकाएं। आपकी नरम और स्वादिष्ट इडली तैयार है।

खिचड़ी

खिचड़ी एक पौष्टिक और सरल व्यंजन है, जिसे इंडक्शन पर जल्दी बनाया जा सकता है। इसके लिए चावल और दाल को मिलाकर धो लें। अब इंडक्शन पर पैन में थोड़ा तेल गर्म करें और उसमें जीरा, हरी मिर्च और अदरक डालें। इसके बाद इसमें धुले हुए चावल-दाल का मिश्रण डालकर पानी मिलाएं और स्वादानुसार नमक डालें। इसे ढककर पकने दें, जब तक कि चावल पूरी तरह से पक न जाएं। आपकी पौष्टिक खिचड़ी तैयार है।

आलू-टमाटर की सब्जी

आलू-टमाटर की सब्जी एक साधारण सब्जी है, जिसे इंडक्शन पर झटपट बनाई जा सकती है। इसके लिए सबसे पहले इंडक्शन पर कढ़ाई में तेल गर्म करें, फिर उसमें जीरा, हींग और हल्दी पाउडर डालें। अब इसमें कटे हुए आलू डालकर थोड़ी देर भूनें, फिर कटे हुए टमाटर डालें और नमक मिलाएं। इसे ढककर पकने दें, जब तक कि आलू नरम न हो जाएं। आप इसे इंडक्शन पर बने चावल के साथ खा सकते हैं।

मूंग दाल का हलवा

मूंग दाल का हलवा एक मीठा व्यंजन है, जिसे इंडक्शन पर आसानी से बनाया जा सकता है। इसके लिए सबसे पहले मूंग दाल को भूनकर पीस लें। अब इंडक्शन पर पैन में घी गर्म करें और उसमें पीसी हुई दाल डालें। इसे सुनहरा भूरा होने तक भूनें, फिर इसमें दूध, चीनी और इलायची पाउडर मिलाएं। मिश्रण गाढ़ा होने तक पकाएं और फिर इसे घी में तलें। आपका स्वादिष्ट मूंग दाल का हलवा तैयार है।

पनीर भुर्जी

पनीर भुर्जी एक झटपट बनने वाला व्यंजन है, जिसे इंडक्शन पर आसानी से बनाया जा सकता है। इसके लिए सबसे पहले पनीर को कद्दूकस कर लें। अब इंडक्शन पर पैन में तेल गर्म करें और उसमें जीरा, हींग, प्याज और हरी मिर्च आदि डालें। अब इसमें कद्दूकस किया हुआ पनीर डालकर मिलाएं और नमक, हल्दी, लाल मिर्च आदि मसाले मिलाकर थोड़ी देर पकाएं। आपकी स्वादिष्ट पनीर भुर्जी तैयार है।

अभिनेत्री मधुरिमा तुली हाल ही में बनीं शोस्टॉपर

अभिनेत्री मधुरिमा तुली हाल ही में प्रतिष्ठित कलकत्ता टाइम्स फैशन शोकेस में मशहूर डिज़ाइनर अर्चना कोचर के लिए शोस्टॉपर बनीं। उन्होंने रैंप वॉक करते हुए शो का समापन किया और अपनी शानदार मौजूदगी से सभी का ध्यान आकर्षित किया।

कोचर के खूबसूरती से तैयार किए गए परिधान में माधुरिमा बेहद आकर्षक लग रही थीं। उनकी ग्रेसफुल रैंप वॉक और आउटफिट की बारीक कारीगरी ने डिज़ाइनर की सिग्नेचर स्टाइल को खूबसूरती से पेश किया। माधुरिमा ने इस लुक को बेहद आत्मविश्वास और सहजता के साथ कैरी किया, जिससे उन्होंने एक मजबूत स्टाइल स्टेटमेंट दिया और अपने चार्म व पर्सनैलिटी से दर्शकों को प्रभावित किया।

यह इवेंट ग्लैमर, स्टाइल और क्रिएटिविटी से भरपूर रहा, जिसमें माधुरिमा की उपस्थिति शो की मुख्य झलकियों में से एक बन गई। उनकी कॉन्फिडेंट रैंप वॉक और शानदार लुक ने दर्शकों की खूब प्रशंसा बटोरी और डिज़ाइनर के प्रेजेंटेशन में स्टार पावर का तड़का लगा दिया।

पिछले कुछ वर्षों में माधुरिमा ने फिल्मों और टेलीविजन के साथ-साथ फैशन की दुनिया में भी अपनी मजबूत पहचान बनाई है। अपनी एलिगेंट पर्सनैलिटी और बेहतरीन स्टाइल के साथ वह लगातार फैंस और फैशन प्रेमियों को प्रभावित करती आ रही हैं, जिससे इस इवेंट में उनका शोस्टॉपर बनना सचमुच यादगार बन गया।

काशिका कपूर का पारंपरिक और वेस्टर्न फैशन का शानदार मेल

अभिनेत्री काशिका कपूर अपने बेहतरीन स्टाइल सेंस से लगातार लोगों का ध्यान आकर्षित कर रही हैं। पारंपरिक और वेस्टर्न फैशन के बीच संतुलन बनाने की उनकी कला बेहद सहज और प्रभावशाली है।

अपनी गरिमामयी मौजूदगी और आत्मविश्वास भरे व्यक्तित्व के लिए जानी जाने वाली यह अभिनेत्री अपने ऐसे लुक्स से फैशन प्रेमियों को प्रभावित करती रहती हैं, जो एलिगेंस, आकर्षण और आधुनिक अंदाज़ को खूबसूरती से दर्शाते हैं। जब पारंपरिक पहनावे की बात आती है, तो काशिका हर आउटफिट को बड़ी ही शालीनता के साथ कैरी करती हैं। खूबसूरत डिटेलिंग वाले एथनिक परिधानों से लेकर क्लासिक सिल्हूट तक, वह पारंपरिक फैशन में एक नया और ताज़गी भरा अंदाज़ जोड़ती हैं, जबकि उसकी मूल भावना को भी बनाए रखती हैं। उनके स्टाइलिंग चॉइस, हल्के मेकअप और सलीकेदार एक्सेसरीज़ के साथ मिलकर उनके आकर्षक व्यक्तित्व को और निखारते हैं।

खास खबर

जनगणना 2027: जनगणना से जन कल्याण

रायपुर। कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी डॉ. गौरव सिंह के निर्देशानुसार कलेक्ट्रेट स्थित रेडक्रॉस सभाकक्ष में जनगणना 2027 के प्रथम चरण मकान सूचीकरण एवं मकान गणना के लिए जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी कुमार बिश्वरंजन ने की। प्रशिक्षण में अधिकारियों को जनगणना कार्य की प्रक्रिया, सर्वेक्षण की विधि, डेटा संकलन और दायित्वों की विस्तृत जानकारी दी गई। अधिकारियों को बताया गया कि जनगणना से प्राप्त आंकड़े शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की बेहतर योजना और क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रम में अपर कलेक्टर मनीष मिश्रा, एसडीएम, नगर निगम जोन आयुक्त, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, सीएमओ सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

बकरी पालन को बढ़ावा देने जिले के नवाचार 'प्रोजेक्ट अजा' मॉडल का होगा विस्तार

रायपुर। रायपुर के एमसीटीसी सेंटर सेरीखेड़ी में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार संचालित 'प्रोजेक्ट अजा' के अंतर्गत स्थापित गोट क्वारंटाइन सेंटर और ई-गोट कंट्रोल यूनिट का प्रमुख सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास निहारिका बारीक सिंह ने निरीक्षण किया तथा जिले में किए जा रहे कार्यों की सराहना की। इस दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी कुमार बिश्वरंजन ने परियोजना की कार्यप्रणाली और इससे मिलने वाले लाभों की विस्तृत जानकारी दी। निरीक्षण के दौरान ग्राम कोसरंगी की हितग्राही चंपा मांडले ने बताया कि प्रोजेक्ट अजा के तहत उन्हें 10 बकरियां और 2 बकरे, बकरी शेड, दवाइयां तथा तकनीकी सहयोग मिला है। इससे उनकी आय बढ़ी है और वे अब आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनकर परिवार के खर्चों में सहयोग कर रही हैं।

सुकमा में एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय में शिक्षकों की भर्ती

सुकमा। शिक्षा के क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक अभ्यर्थियों के लिए अच्छी खबर है। एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय (ईएमआरएस) सुकमा द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए संविदा शिक्षकों की भर्ती की प्रक्रिया शुरू की गई है। इसके लिए 25 मार्च को वॉक-इन-इंटरव्यू आयोजित किया जाएगा। विद्यालय प्रबंधन की ओर से जारी सूचना के अनुसार विभिन्न विषयों के लिए शिक्षकों के पदों पर भर्ती की जाएगी। इनमें पीजीटी (रसायन शास्त्र) के लिए 1 पद, पीजीटी (अर्थशास्त्र) के लिए 1 पद तथा टीजीटी (सामाजिक विज्ञान) के लिए 1 पद शामिल हैं। भर्ती प्रक्रिया के तहत इच्छुक और पात्र अभ्यर्थियों का वॉक-इन-इंटरव्यू 25 मार्च 2026 को सुबह 9 बजे से आयोजित किया जाएगा। यह साक्षात्कार एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय सुकमा परिसर, जिला सुकमा, छत्तीसगढ़ में लिया जाएगा।

प्रदेश में पीसीपीएनडीटी और एआरटी एक्ट का कड़ाई से होगा पालन, स्वास्थ्य मंत्री की बैठक में अहम निर्देश

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। प्रदेश में लिंगानुपात में सुधार और प्रजनन संबंधी सेवाओं के बेहतर क्रियान्वयन को लेकर स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल की अध्यक्षता में राज्य पर्यवेक्षक मंडल की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पीसीपीएनडीटी एक्ट 1994 एवं एआरटी-सरोगेसी एक्ट 2021 के प्रभावी क्रियान्वयन की समीक्षा की गई। बैठक में विधायक लता उसेंडी (कोंडागांव), रायमुनी भगत और गोमती साय सहित स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के सचिव अमित कटारिया, आयुक्त शिक्षा रितेश अग्रवाल और अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान संचालक महामारी नियंत्रण डॉ. सुरेन्द्र पामभोई ने दोनों अधिनियमों के प्रावधानों की जानकारी देते हुए प्रदेश में इनके क्रियान्वयन की वर्तमान स्थिति से अवगत कराया। स्वास्थ्य मंत्री ने निर्देश दिए कि प्रदेश में पीसीपीएनडीटी और एआरटी एक्ट का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए, ताकि लिंग चयन जैसी अवैध गतिविधियों पर पूरी तरह रोक लगाई जा सके।

बैठक में लिंगानुपात की स्थिति सुधारने के लिए कई अहम निर्णय लिए गए। मंत्री जायसवाल ने निर्देश दिए कि प्रदेश में सर्वाधिक और न्यूनतम सेक्स रेशियो वाले तीन-तीन जिलों का विस्तृत अध्ययन कराया जाए, ताकि असमानता के कारणों का पता लगाकर सुधारात्मक कदम उठाए जा सकें। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने प्रदेश में सोनोग्राफी सेवाओं की कमी को देखते हुए एमबीबीएस चिकित्सकों के लिए छह माह के प्रशिक्षण कार्यक्रम में अधिक से अधिक प्रतिभागियों को शामिल करने के निर्देश भी दिए, जिससे दूरस्थ क्षेत्रों में भी यह सुविधा उपलब्ध हो सके। बैठक में यह भी तय किया गया कि प्रदेश में संचालित आईवीएफ और सरोगेसी केंद्रों की नियमित निगरानी और निरीक्षण के लिए कार्ययोजना तैयार की जाएगी।

नवागढ़ की प्राचीन धरोहरों के संरक्षण के लिए राज्य सरकार सजग

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के प्रति राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए संस्कृति एवं पुरातत्व मंत्री राजेश अग्रवाल ने कोंडागांव जिले के नवागढ़ क्षेत्र में प्राप्त प्राचीन पुरातात्विक अवशेषों के संबंध में त्वरित संज्ञान लिया है। मंत्री अग्रवाल ने पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय संचालनालय को निर्देशित किया है कि नवागढ़ क्षेत्र में उपलब्ध प्राचीन प्रतिमाओं और अन्य पुरातात्विक अवशेषों का विशेषज्ञ दल के माध्यम से शीघ्र स्थल निरीक्षण एवं विस्तृत सर्वेक्षण कराया जाए।

मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि नवागढ़ क्षेत्र में 5वीं-6वीं शताब्दी ईस्वी से संबंधित प्राचीन प्रतिमाओं और अन्य अवशेषों की जानकारी सामने आने के बाद इस स्थल का वैज्ञानिक अध्ययन अत्यंत आवश्यक हो गया है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि विशेषज्ञ दल द्वारा क्षेत्र में उपलब्ध सभी प्रतिमाओं, स्थापत्य अवशेषों, शिल्प कलाकृतियों और संभावित पुरातात्विक स्थलों का सूक्ष्म अध्ययन किया जाए तथा उनका विस्तृत दस्तावेजीकरण भी किया जाए, ताकि इन धरोहरों के ऐतिहासिक महत्व का समुचित आकलन किया जा सके। मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि सर्वेक्षण और स्थल निरीक्षण से प्राप्त प्रतिवेदन के आधार पर आवश्यकतानुसार इन पुरातात्विक अवशेषों के संरक्षण, संवर्धन और सुरक्षा के लिए आवश्यक कार्य प्रारंभ किए जाएंगे। यदि स्थल का ऐतिहासिक महत्व प्रमाणित होता है, तो उसे संरक्षित पुरातात्विक स्थल के रूप में विकसित करने की दिशा में भी पहल की जाएगी।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की धरती प्राचीन सभ्यताओं, स्थापत्य कला और समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं से परिपूर्ण रही है। प्रदेश के अनेक अंचलों में ऐसे महत्वपूर्ण स्थल हैं, जिनका व्यवस्थित अध्ययन और संरक्षण किए जाने की आवश्यकता है। राज्य सरकार इन धरोहरों की पहचान, संरक्षण और उनके वैज्ञानिक अध्ययन के लिए निरंतर प्रयास कर रही है।

मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि राज्य की ऐतिहासिक धरोहरों को सुरक्षित रखने के लिए स्थानीय जनप्रतिनिधियों, शोधकर्ताओं, इतिहासकारों और आम नागरिकों की सहभागिता भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि इन धरोहरों का संरक्षण केवल अतीत को सुरक्षित रखने का प्रयास नहीं है, बल्कि यह आने वाली पीढ़ियों को अपनी सांस्कृतिक जड़ों और इतिहास से जोड़ने का एक महत्वपूर्ण माध्यम भी है। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार का प्रयास है कि ऐतिहासिक स्थलों और पुरातात्विक धरोहरों को संरक्षण के साथ-साथ अध्ययन, शोध और सांस्कृतिक पर्यटन के दृष्टिकोण से भी विकसित किया जाए, जिससे प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को व्यापक पहचान मिले और स्थानीय स्तर पर पर्यटन एवं रोजगार के नए अवसर भी सृजित हो सकें।

कृषि विश्वविद्यालय के तीन मेधावी छात्रों को बैंक ऑफ बड़ौदा अचीवर्स अवॉर्ड -2026 से सम्मानित

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के तीन मेधावी छात्रों को 12 मार्च 2026 को कृषि महाविद्यालय, रायपुर के सेमिनार हॉल में आयोजित एक समारोह में बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा अचीवर्स अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अपने-अपने शैक्षणिक वर्षों में कक्षा में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। सम्मानित विद्यार्थियों में कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र, साजा (बेमेतरा) की प्रथम वर्ष की छात्रा दिलेश्वरी साहू, शहीद गुंडाधूर कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र, जगदलपुर के द्वितीय वर्ष के छात्र देविदत्त जेना तथा कृषि महाविद्यालय, रायपुर की तृतीय वर्ष की छात्रा अनुष्का चौरसिया शामिल थीं। कार्यक्रम में प्रत्येक विद्यार्थि को 31,000 रुपये की नकद पुरस्कार राशि प्रदान की गई। इस अवसर पर कृषि महाविद्यालय, रायपुर की अधिष्ठाता डॉ. आरती गुहे ने छात्रों में शैक्षणिक उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करने के लिए बैंक ऑफ बड़ौदा का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की पहल छात्रों को और अधिक परिश्रम करने तथा समाज और कृषि क्षेत्र मंे सार्थक योगदान देने के लिए प्रेरित करती है। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के निदेशक शिक्षण डॉ. ए.के. डेव ने भी इस पहल की सराहना करते हुए बैंक ऑफ बड़ौदा से आग्रह किया कि वह प्रतिवर्ष अचीवर्स अवॉर्ड का आयोजन करता रहे, जिससे छात्रों को उच्च शैक्षणिक उपलब्धियों की ओर प्रेरणा मिलती रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बैंक ऑफबड़ौदा के उप क्षेत्रीय प्रबंधक श्री प्रदीप यादव ने कहा कि बैंक किसानों और छात्रों के कल्याण के प्रति सदैव प्रतिबद्ध है। उन्होंने पुरस्कार प्राप्त छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि वे अपने ज्ञान और शिक्षा का उपयोग समाज तथा कृषि समुदाय के उत्थान के लिए करें।

मोर गांव मोर पानी अभियान से जल संरक्षण की अनोखी पहल

श्रीकंचनपथ समाचार

एमसीबी। प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा शुरू किए गए मोर गांव मोर पानी महाभियान के तहत जल संरक्षण को लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता तेजी से बढ़ रही है। मुख्यमंत्री के आह्वान को गंभीरता से लेते हुए पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा जलसंचयन की दिशा में लगातार प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं।

इसी कड़ी में एमसीबी जिले की ग्राम पंचायत लोहारी में बंजर पहाड़ पर सैकड़ों कंटूर ट्रेंच बनाकर वर्षा जल संचयन की सराहनीय पहल की गई है। ग्राम पंचायत लोहारी में पंचायत के किनारे स्थित लगभग तीन एकड़ बंजर पहाड़ी क्षेत्र में वर्षा जल को रोकने के उद्देश्य से सैकड़ों कंटूर ट्रेंच बनाए गए हैं। इन संरचनाओं के माध्यम से आगामी वर्षा ऋतु में लगभग 20 लाख लीटर वर्षा जल को भूमिगत करने में मदद मिलेगी, जिससे भूजल स्तर बढ़ने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा। कैसे हुई शुरुआत प्रदेश स्तर पर शुरू किए गए मोर गांव मोर पानी महाभियान में जनभागीदारी के आह्वान के बाद पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा मनरेगा योजना के अंतर्गत एमसीबी जिले के जनपद पंचायत मनेन्द्रगढ़ के ग्राम लोहारी में एक बड़े खाली पहाड़ी क्षेत्र का चयन किया गया। क्षेत्र की मिट्टी और ढलान का तकनीकी आंकलन करने के बाद यहां बड़े पैमाने पर कंटूर ट्रेंच निर्माण का प्रस्ताव तैयार किया गया। ग्रामसभा की अनुशंसा के आधार पर इस कार्य को 1 लाख 80 हजार रुपये की लागत से स्वीकृति प्रदान की गई। ग्रामीणों का उत्साह ग्राम पंचायत लोहारी के सरपंच मोती सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री के अभियान से प्रेरित होकर पंचायत में चर्चा के बाद इस कार्य का प्रस्ताव तैयार कर जिला पंचायत कार्यालय भेजा गया।

आयुष्मान और वय वंदन कार्ड वितरण में प्रदेश का अग्रणी जिला बना बस्तर

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सुदूर वनांचलों और चुनौतीपूर्ण भौगोलिक परिस्थितियों के बीच बसे बस्तर जिले ने जन-कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। राज्य पोर्टल द्वारा 11 मार्च 2026 तक जारी किए गए ताजा आंकड़ों के अनुसार बस्तर जिला आयुष्मान भारत और वय वंदन कार्ड वितरण के मामले में प्रदेश के शीर्ष प्रदर्शन करने वाले जिलों की अग्रिम पंक्ति में खड़ा हो गया है।

कठिन रास्तों और भाषाई विविधताओं के बावजूद जिला प्रशासन की सक्रियता का ही परिणाम है कि आज बस्तर स्वास्थ्य सुरक्षा के मामले में कई विकसित और शहरी जिलों को पीछे छोड़ते हुए सफलता की नई इबारत लिख रहा है यह प्रगति मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में शासन की बस्तर में सुविधाओं के प्रति प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है।

बस्तर की इस अभूतपूर्व सफलता की पटकथा लिखने में जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों-कर्मचारियों की भूमिका महत्वपूर्ण रही है। उल्लेखनीय है कि जिले में सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी-कर्मचारी के अधिकांश पदों पर महिलाओं की नियुक्ति है, जिन्होंने अपनी संवेदनशीलता और कर्तव्यनिष्ठा से इस अभियान को जन-आंदोलन बना दिया है। इन महिला स्वास्थ्य अधिकारियों - कर्मचारियों ने हाट-बाजारों से लेकर सुदूर दुर्गम गाँवों तक पहुँचने की रणनीति अपनाई, जिससे भाषाई और भौगोलिक बाधाएं भी विकास की राह नहीं रोक सकीं।

आयुष्मान भारत योजना के तहत शत-प्रतिशत कवरेज की दिशा में बढ़ते हुए बस्तर ने अब तक 98.2 प्रतिशत आबादी को सुरक्षा कवच प्रदान कर दिया है। जिले के कुल निर्धारित 7,87,364 सदस्यों के लक्ष्य के मुकाबले 7,73,468 कार्ड बनाए जा चुके हैं, जो न केवल जिले की प्रशासनिक सजगता को दर्शाता है बल्कि राज्य के औसत 90.8 प्रतिशत से भी कहीं अधिक है। विशेष रूप से पारीवारिक कवरेज के मामले में तो बस्तर ने अपने लक्ष्य को पार करते हुए 116.4 प्रतिशत की उपलब्धि हासिल की है, जो इस बात का प्रमाण है कि जिले का हर परिवार अब बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के दायरे में आ चुका है।

मैनपाट में छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल बनाएगा सर्वसुविधायुक्त पर्यटन आवासीय परिसर

मैनपाट में 4.80 हेक्टेयर भूमि आवंटित, पर्यटन को मिलेगा नया आयाम

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के 'शिमला' नाम से प्रसिद्ध मैनपाट में पर्यटन सुविधाओं और आवासीय विकास को नई गति देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। राज्य सरकार द्वारा मैनपाट में 4.80 हेक्टर (12 एकड़) भूमि अटल विहार योजना हेतु छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल को आवंटित की गई है।

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष अनुराग सिंह देव ने बताया कि इस भूमि पर आधुनिक एवं बहुउपयोगी पर्यटनङ्कआवासीय परिसर का निर्माण शीघ्र प्रारंभ किया जाएगा। प्राकृतिक परिवेश के अनुरूप विकसित होने वाली यह परियोजना मैनपाट आने वाले पर्यटकों को बेहतर, सुरक्षित और किफायती ठहराव उपलब्ध कराएगी।

श्री सिंह देव ने कहा कि यह निर्णय मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में, आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओ.पी. चौधरी और पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल के सक्रिय प्रयासों से संभव हुआ है। उन्होंने कहा कि मैनपाट में लगातार बढ़ते पर्यटक आगमन को देखते हुए इस तरह की सुविधाओं की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी।

प्रस्तावित परिसर में आधुनिक वेलनेस एवं मनोरंजन सुविधाएँ विकसित की जाएंगी। श्री सिंह देव ने बताया कि परियोजना में केरल मॉडल पर आधारित वेलनेस सेंटर, प्राकृतिक पंचकर्म चिकित्सा, हर्बल स्पा और आयुष सेवाएं प्रस्तावित हैं। साथ ही 24म7 क्लब हाउस, मिलेट्स कैफे, जिम, स्विमिंग पूल, किड्स प्ले एरिया, स्टीम बाथ और एंटरटेनमेंट ज़ोन विकसित किए जाएंगे। पर्यावरण अनुकूल विकास के तहत ट्री हाउस, कॉटेज और स्थानीय जीवन एवं संस्कृति का अनुभव कराने वाला सांस्कृतिक क्षेत्र भी शामिल होगा। उन्होंने कहा कि परियोजना से मैनपाट में पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा, स्थानीय रोजगार के अवसर सृजित होंगे और हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में नई संभावनाएं खुलेंगी।

गुणवत्तापूर्ण आवासीय सुविधा उपलब्ध होने से पर्यटकों का ठहराव समय बढ़ेगा, जो क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को मजबूती देगा। आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओ.पी. चौधरी ने कहा कि मैनपाट छत्तीसगढ़ का विशिष्ट एवं उभरता हुआ पर्यटन गंतव्य है। तेजी से बढ़ रही पर्यटक संख्या को देखते हुए यहाँ आधुनिक सुविधाओं का विकास अत्यावश्यक है। हाउसिंग बोर्ड की यह पहल पर्यटन, आवास और स्थानीय अर्थव्यवस्था को नई दिशा देगी तथा मैनपाट को राष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर सशक्त रूप से स्थापित करेगी।

पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल ने परियोजना को छत्तीसगढ़ के पर्यटन विस्तार के लिए मील का पत्थर बताया। उन्होंने कहा कि आधुनिक पर्यटन सुविधाओं के विकास से पर्यटकों को बेहतर अनुभव मिलेगा और राज्य का हॉस्पिटैलिटी सेक्टर मजबूत होगा।

सीतापुर विधायक रामकुमार टोप्पो ने इसे मैनपाट के समग्र विकास के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि यह परियोजना स्थानीय युवाओं को रोजगार एवं व्यापार के अवसर उपलब्ध कराएगी और क्षेत्र की पहचान को नई ऊँचाई देगी।

अध्यक्ष अनुराग सिंह देव ने कहा कि यह पहल छत्तीसगढ़ में पर्यटनङ्कआवास विकास के क्षेत्र में गृह निर्माण मंडल की ऐतिहासिक भूमिका को मजबूत करेगी और भविष्य में मैनपाट को एक प्रमुख राष्ट्रीय पर्यटन गंतव्य के रूप में स्थापित करने का आधार बनेगी।

अंगना म शिक्षा कार्यक्रम का भव्य आयोजन कलेक्टर मिश्रा ने विजेताओं को किया सम्मानित

श्रीकंचनपथ समाचार

धमतरी। समग्र शिक्षा जिला धमतरी द्वारा स्थानीय जींजर लीफ, रूद्री रोड में जिला स्तरीय सामुदायिक सहभागिता कार्यक्रम 2025-26 के अंतर्गत 'अंगना म शिक्षा' कार्यक्रम का गरिमापूर्ण आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण के रूप में एफएलएन आधारित टीएलएम निर्माण एवं प्रदर्शनी लगाई गई, जिसमें प्राथमिक शिक्षा को सुदृढ़ करने से जुड़े विभिन्न नवाचारों को प्रदर्शित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान माता उन्मुखीकरण के अंतर्गत विशेष रूप से उपस्थित मातृ शक्तियों के लिए मनोरंजक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इनमें गोली-चम्मच दौड़, संतुलन दौड़, कुर्सी दौड़ और गिलास पिरामिड निर्माण जैसे खेल शामिल थे। इन प्रतियोगिताओं में बिन्दा नागरची, अनिता मरकाम, ज्योति ध्रुव, किरण साहू और भागबती नेताम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विजय प्राप्त की। इसी प्रकार छात्र वर्ग में आयोजित प्रतियोगिताओं में टिकेश कुमार, नेहा सोनवानी, सौम्या साहू, गिबिशा मरकाम, दिव्याशु, याचना साहू, निशा सोनवानी और नेहा नेताम विजेता रहे। सभी विजेताओं को कलेक्टर धमतरी अबिनाश मिश्रा द्वारा पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।इस अवसर पर कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा को मजबूत बनाने में समुदाय की सहभागिता अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसलिए अभिभावकों को बच्चों की शिक्षा के प्रति सदैव जागरूक रहना चाहिए।कार्यक्रम के दौरान इन्सपायर मानक अवार्ड योजना के अंतर्गत जापान सकुरा कार्यक्रम के लिए चयनित छात्रा नंदिता सोनवानी को भी मंच पर सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

खास खबर

रेत के अवैध परिवहन करते तीन हाइवा किए गए जब्त

जांजगीर। जिले में खनिज के अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण पर रोक लगाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत बम्हनीडीह क्षेत्र में तीन हाइवा रेत भरकर ले जाते हुए पकड़े गए। यह कार्रवाई राजस्व, पुलिस और खनिज विभाग की संयुक्त टीम ने की। जब्त हाइवा को थाना बम्हनीडीह में सुपुर्द कर मामलों में कानूनी कार्रवाई की जा रही है। खनिज अधिकारी के अनुसार वित्तीय वर्ष 2025-26 में अब तक जिले में अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण के 591 प्रकरण दर्ज किए गए हैं। इन मामलों में 1 करोड़ 67 लाख 32 हजार 540 रुपए वसूल कर खनिज मद में जमा किए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि अवैध उत्खननकर्ता, परिवहनकर्ता और भंडारणकर्ताओं के खिलाफ छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियमावली 2015 के नियम 71 और खान एवं खनिज विकास और विनियमन अधिनियम 1957 की धारा 21 के तहत कार्रवाई की जा रही है।

गरियाबंद में खड़ी कार में लगी भीषण आग, कुछ ही देर में जलकर खाक

गरियाबंद। जिला मुख्यालय के गांधी मैदान स्थित बीईओ कार्यालय के पास देर रात खड़ी एक कार में अचानक आग लगने से हड़कंप मच गया। आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही देर में पूरी कार जलकर राख हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार देर रात बीईओ कार्यालय के सामने खड़ी कार में अचानक आग की लपटें उठने लगीं। आग देख आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना दी। सूचना मिलते ही दमकल की टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन तब तक कार पूरी तरह जल चुकी थी। बताया जा रहा है कि कार में आग लगने की वजह अभी स्पष्ट नहीं हो पाई है। घटना की सूचना मिलने के बाद सिटी कोतवाली पुलिस भी मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि कार में आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी या इसके पीछे कोई अन्य वजह है। इस घटना के बाद कुछ समय के लिए इलाके में अफरा-तफरी का माहौल भी बन गया।

लकड़ी के चट्टे में लगी आग नहीं पहुंचे कर्मचारियों तो अफसर ने बुझाई आग

कोंडागाँव। एक तरफ जहां कोंडागांव वन मंडल के वन मैदानी कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर बेमियादी धरने पर बैठे हुए हैं वहीं। इसी बीच शुक्रवार की सुबह नंरगी वन परिक्षेत्र में चल रहे कूप कटाई के बाद रखे हुए रखे हुए चट्टे जिसे समिति को दिए जाने के साथ ही डिपो लाया जाना था। उसमें अचानक आग लग गई जिसकी सूचना जिम्मेदार अधिकारियों ने संबंधित कर्मचारियों को तो दी, लेकिन वे घंटेभर के इंतजार के बाद भी जब नहीं पहुंचे तब अधिकारी स्वयं ही मौके पर पहुंच फायर ब्रिगेट कर्मियों के साथ मिलकर आग बुझाने में जुड़ गए। ज्ञात हो कि, एक दिन पहले भी ऐसा ही एक मामला सामने आया था जहां स्वयं डीएफओ आग बुझाते नजर आए थे।

घरेलू गैस सिलेंडर के व्यावसायिक उपयोग पर कार्रवाई

कोण्डागांव। कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना के निर्देश पर जिले में घरेलू गैस सिलेंडरों के व्यावसायिक उपयोग पर खाद्य एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने सख्त कार्रवाई की है। टीम ने जिले के विभिन्न होटल और ढाबों की गहन जांच कर 14 प्रतिष्ठानों से कुल 29 घरेलू गैस सिलेंडर जब्त किए। खाद्य अधिकारी नवीन श्रीवास्तव ने बताया कि जांच के दौरान कोंडागांव क्षेत्र में लक्ष्मी विलास होटल से 4 नग, शैलेश होटल से 1 नग तथा हयात फूड कॉर्नर से 1 नग घरेलू गैस सिलेंडर जब्त किया गया। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि घरेलू गैस सिलेंडरों का व्यावसायिक उपयोग प्रतिबंधित है। ऐसे मामलों में आगे भी लगातार जांच और कार्रवाई जारी रहेगी।

शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों पर सख्ती, 70 दिन में 626 वाहनों पर कार्रवाई, 10 हजार से ज्यादा जुर्माना

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग में सड़क हादसों को रोकने और शहर में शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। पिछले 70 दिन में यातायात पुलिस ने 626 वाहन चालकों पर कार्रवाई की है। यातायात पुलिस के मुताबिक, जनवरी से अब तक शहर के अलग-अलग चौक-चौराहों और मुख्य सड़कों पर रोज शाम से देर रात तक विशेष चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है।

इस दौरान पुलिस ब्रेथ एनालाइजर मशीन से वाहन चालकों की जांच कर रही है। जांच में चालक शराब के नशे में वाहन चलाते हुए पाए जाते हैं, तो उनके खिलाफ मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 185 के तहत कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस ने बताया कि कार्रवाई के दौरान नशे में वाहन चलाते पाए गए चालकों के वाहन भी जब्त किए जा रहे हैं। इसके बाद प्रकरण को न्यायालय में पेश किया जा रहा है। न्यायालय की ओर से ऐसे मामलों में चालकों पर 10 हजार रुपए से ज्यादा का जुर्माना लगाया जा रहा है।

हर महीने 150 से ज्यादा चालान

आंकड़ों के मुताबिक जनवरी महीने में 198 वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की गई। इसके बाद फरवरी में यह संख्या बढ़कर 288 तक पहुंच गई। वहीं मार्च महीने में अब तक 140 चालकों पर कार्रवाई की जा चुकी है। इस तरह पिछले 70 दिनों में कुल 626 वाहन चालकों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की गई है।

लगातार जारी रहेगी कार्रवाई

पुलिस विभाग की ओर से जानकारी दी गई है कि शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ आगे भी कार्रवाई की जाएगी। खासकर आउटर के क्षेत्रों में यह अभियान चलाया जाएगा। वर्तमान में शहर के अलग-अलग इलाकों में अचानक चेकिंग की जा रही है।

जिससे नशे में वाहन चलाने वालों पर नजर रखी जा सके। अगर कोई चालक नशे में वाहन चलाते हुए पकड़ा जाता है तो उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

ट्रक और ट्रेलर की टक्कर के बाद लगी आग, ट्रेलर चालक की जिंदा जलकर मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

बलरामपुर। जिले के में शुक्रवार सुबह एक भीषण सड़क हादसे में ट्रेलर चालक की जिंदा जलकर मौत हो गई, जबकि ट्रक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। यह घटना थाना क्षेत्र के ग्राम मोहली के पास सुबह 9 बजे हुई। एक ट्रक राइस मिल से चावल लोड कर वाड्रफनगर की ओर जा रहा था, जिसे विजयनगर निवासी संतोष गुप्ता (44) चला रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रहे ट्रेलर से उसकी जोरदार टक्कर हो गई। बताया जा रहा है कि ट्रेलर के दीपिका क्षेत्र से क्लिंकर लोड कर आ रहा था। टक्कर के बाद ट्रेलर में अचानक भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि ट्रेलर चालक अरबाज (28) केबिन के अंदर ही फंस गया और बाहर नहीं निकल सका। देखते ही देखते ट्रेलर आग की चपेट में आ गया और चालक की जिंदा जलकर मौत हो गई।

हादसे के बाद मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों ने ट्रक का शीशा तोड़कर चालक संतोष गुप्ता को बाहर निकाला। वे गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक ट्रेलर पूरी तरह जलकर राख हो चुका था। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

सुसाइड केस में बड़ा खुलासा : युवती के भाई ने पुलिस बनकर धमकाया

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। पुलिस बनकर धमकाने से एक युवक ने वीडियो बनाकर आत्महत्या कर ली। इस मामले में जांजगीर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी सचिन खरे को गिरफ्तार किया है।

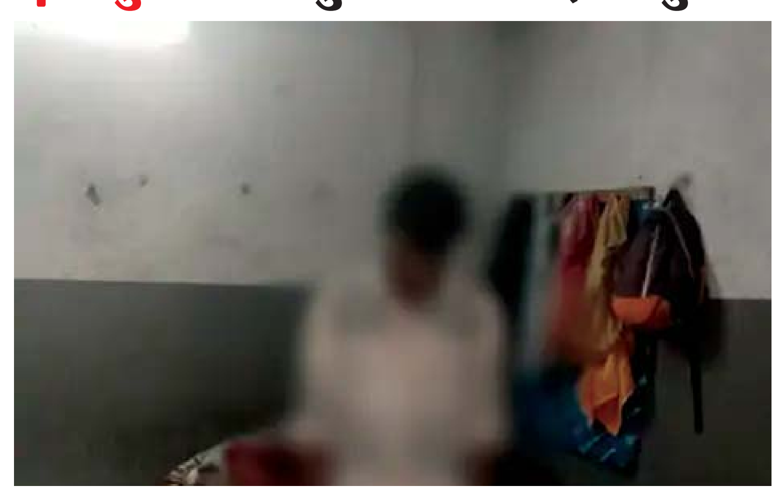

कोरबा जिले के उरगा थाना क्षेत्र में बीते दिन एक युवक ने वीडियो बनाकर आत्महत्या कर ली। इस मामले में पहले पंतोरा चौकी पुलिस पर गंभीर आरोप लगे थे, जिससे काफी सनसनी फैल गई थी। जांजगीर-चांपा के पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पांडे ने वायरल वीडियो को गंभीरता से लिया और जांच शुरू की। जांच में सामने आया कि मामला पुलिस पर लगे आरोपों के बिल्कुल विपरीत था। युवती के भाई सचिन खरे ने मृतक सनत कश्यप को पुलिस बनकर धमकाया था। सचिन ने अपने भाई शैलेंद्र पाटले के मोबाइल फोन का उपयोग किया था। उसने सनत कश्यप को फोन कर गाली-गलौज की और थाना आने के लिए कहा।

मृतक सनत कश्यप, जिसकी उम्र 25 वर्ष थी, इस धमकी से अत्यधिक तनावग्रस्त हो गया। तनाव के कारण उसने वीडियो में अपनी बात कहते हुए आत्महत्या कर ली। सनत कश्यप चोरभट्टी, थाना मुलमला, जांजगीर-चांपा का निवासी था। वह अशोक लीलैंड वर्कशॉप, ग्राम पताढ़ी, थाना उरगा में रह रहा था। जांजगीर पुलिस ने आरोपी सचिन खरे को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ के दौरान सचिन खरे ने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया है।

मृतक सनत कश्यप ने अपने वीडियो में पंतोरा चौकी पुलिस पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया था। उसने कहा था कि पुलिस ने उसे फोन पर गाली-गलौज कर परेशान किया। इसी प्रताड़ना से तंग आकर उसने आत्महत्या करने की बात कही थी। जांच में यह आरोप गलत साबित हुआ और वास्तविक अपराधी का पता चला।

सचिन खरे ने धीरेंद्र पाटले के दोस्त सनत कश्यप को निशाना बनाया था। उसने शैलेंद्र पाटले के फोन से सनत कश्यप के नंबर पर कॉल किया। कॉल पर उसने खुद को पंतोरा चौकी का पुलिसकर्मी बताया था। धमकी और गाली-गलौज से डरे सनत ने अपनी जान दे दी। जांजगीर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी सचिन खरे को गिरफ्तार किया है।

जुआ खेलते 8 लोग गिरफ्तार, 4.20 लाख का सामान जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। धमतरी जिले में अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। इसी कड़ी में भखारा थाना पुलिस ने जुआ खेलते हुए 8 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से नगदी, वाहन और मोबाइल फोन समेत करीब 4 लाख 20 हजार रुपये का सामान जब्त किया है।

जानकारी के अनुसार भखारा थाना की पेट्रोलिंग टीम रात में गश्त पर थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम सेमरा बी के श्मशान घाट के आगे स्टॉप डेम के पास कुछ लोग 52 पत्ती ताश से काट पत्ती नामक जुआ खेल रहे हैं और पैसों का दांव लगा रहे हैं।

सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर कार्रवाई की। पुलिस को देखकर कुछ जुआरी मौके से फरार हो गए, जबकि 8 लोगों को मोबाइल की टॉर्च की रोशनी में जुआ खेलते हुए पकड़ा गया।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 9 हजार रुपये नगद, ताश की गड्डी, 6 मोटरसाइकिल, एक हीरो मेस्ट्रो स्कूटी, एक टीवीएस एक्सएल और 8 मोबाइल फोन जब्त किए हैं। जब्त किए गए सामान की कुल कीमत करीब 4 लाख 20 हजार रुपये बताई जा रही है।

पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ भखारा थाना में जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 की धारा 3(2) के तहत मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि जिले में जुआ, सट्टा और अन्य अवैध गतिविधियों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

कॉम्बिंग गश्त में गांजा बेचते आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। रायपुर जिले के आरंग थाना क्षेत्र में अपराध नियंत्रण और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए आरंग थाना पुलिस ने गुरुवार को व्यापक कॉम्बिंग गश्त और अड्डेबाजी चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान पुलिस ने गांजा बेचते एक आरोपी को रंगेहाथ गिरफ्तार किया।

पुलिस को सूचना मिली थी कि देवारपारा क्षेत्र में एक व्यक्ति अवैध रूप से गांजा बेच रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने मौके पर दबिश दी और आरोपी लालू देवार (34) निवासी देवारपारा आरंग को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से 800 ग्राम गांजा और 550 रुपये नगद बरामद किए गए। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया गया।

कॉम्बिंग गश्त के दौरान पुलिस ने लंबित मामलों में कार्रवाई करते हुए तीन गिरफ्तारी वारंट और एक स्थायी वारंट की तामिली भी की। इसके अलावा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ मोटर व्हीकल एक्ट के तहत 20 चालानी कार्रवाई की गई। क्षेत्र में अड्डेबाजी कर रहे लोगों के खिलाफ भी पुलिस ने कार्रवाई करते हुए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 170 के तहत नौ लोगों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की।

रायपुर की लकड़ी फैक्ट्री में लगी भीषण आग

ट्रैक्टर और मशीनें जलकर खाक, दो कर्मचारी सुरक्षित निकाले गए

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी के उरला औद्योगिक क्षेत्र में शुक्रवार देर रात एक लकड़ी फैक्ट्री में भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया।

आग इतनी विकराल थी कि फैक्ट्री में रखा एक ट्रैक्टर और कीमती मशीनें जलकर राख हो गईं। गनीमत रही कि दमकल कर्मियों ने समय रहते फैक्ट्री के अंदर फंसे दो कर्मचारियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

आधी रात को मची अफरा-तफरी

उरला पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार क्षेत्र स्थित भीम सरिया मिनरल प्राइवेट लिमिटेड की लकड़ी फैक्ट्री में आधी रात के आसपास अचानक आग भड़की।

सूखी लकड़ियों की मौजूदगी के कारण लपटों ने देखते ही देखते पूरी फैक्ट्री को अपनी चपेट में ले लिया। आसमान में उठते धुएं और आग के गोले देखकर आसपास के लोगों ने तुरंत पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचित किया।

3 घंटे की मशक्कत के बाद बुझी आग

सूचना मिलते ही नगर निगम और निजी उद्योगों की 6 से अधिक दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। फैक्ट्री के अंदर दो कर्मचारियों के फंसे होने की खबर से रेस्क्यू ऑपरेशन चुनौतीपूर्ण हो गया था।

दमकल कर्मियों ने जान जोखिम में डालकर करीब ढाई से तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद दोनों कर्मचारियों को सुरक्षित बाहर निकाला। आग पर काबू पाने तक फैक्ट्री में खड़ा एक ट्रैक्टर और लकड़ी काटने व फिनिशिंग की मशीनें पूरी तरह जल चुकी थीं।

शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका

आग लगने का स्पष्ट कारण अभी सामने नहीं आया है, लेकिन उरला थाना पुलिस और फायर एक्सपर्ट्स की टीम मौके पर जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि प्रारंभिक तौर पर मामला शॉर्ट सर्किट का लग रहा है, हालांकि जांच के बाद ही स्थिति साफ होगी। फैक्ट्री प्रबंधन नुकसान का आकलन करने में जुटा है।

मोपका चौक के पास कार गड्ढे में गिरी, ड्राइवर बाल-बाल बचा

बिलासपुर। मोपका के पास कार गड्ढे में पलट गई। इस हादसे में ड्राइवर बाल-बाल बच गया। घटना शुक्रवार की है। कार क्रमांक सीजी 10एएन 6083 मोपका चौक से गुजर रही थी। सड़क किनारे बने गड्ढे में वह गिरी और पलट गई। स्थानीय लोगों ने देखा तो मौके पर पहुंचकर कार चालक को गाड़ी से बाहर निकाला और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने चालक को इलाज के लिए अस्पताल भेजा। घटना के समय कार चालक के नशे में होने की भी चर्चा है। इसकी अधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। इधर स्थानीय लोगों के अनुसार मोपका चौक के पास बना गड्ढे को निगम ने पाटा नहीं है। इसके कारण आए दिन हादसे हो रहे हैं।

कार्यालय सेनानी, सातवीं वाहिनी, छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल, भिलाई

निविदा क्रमांक 03-7वीं बटा./छसबल/श्वान दल/46/2026 दिनांक 12/03/2026

:: निविदा विज्ञप्ति का प्रारूप ::

सातवीं वाहिनी छ.स.बल भिलाई (छ.ग.) में ''बकरे का मटन सप्लाई'' हेतु सेनानी सातवी वाहिनी छसबल भिलाई की ओर से निम्नांकित बकरे का मटन सप्लाई हेतु पंजीकृत निर्माताओं एवं अधिकृत विक्रेताओं से 02 सीलबंद लिफाफा में **(लिफाफा ''अ'' में टेक्निकल बीड एवं लिफाफा ''ब'' में फायनेंशियल बीड)** बकरे का मटन सप्लाई कार्य बाबत् मोहरबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र का मूल्य 750/- होगा। सीलबंद लिफाफे के ऊपर निविदा सूचना क्रमांक तथा निविदाकर्ता का पुरा नाम/पता सहित कार्यालय में उचित माध्यम से जमा करें।

क्र.	सामग्री का नाम	तदात्	धरोहर राशि
01	बकरे का मटन	14 किलो ग्राम प्रतिदिन	31,248/- (इकतीस हजार दो सौ अड़तालीस रुपये)

निविदा प्रपत्र, अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय से आवेदन पत्र (आयकर प्रमाण पत्र संहिता) के साथ रु. 750/- कोषालय में लेखा शीर्ष 0055 पुलिस मिसलिनियस रिसिप्ट के अंतर्गत सेनानी सातवी वाहिनी छसबल भिलाई, जिला-दुर्ग (छ.ग.) के नाम से जमा कर चालान की मूल प्रति सेनानी सातवी वाहिनी छसबल भिलाई, जिला-दुर्ग (छ.ग.) को प्रस्तुत कर दिनांक 25.03.2026 के 15:00 बजे तक कार्यलयीन दिवस में निविदा फार्म प्राप्त किये जा सकते हैं।

01 निविदा फार्म बिक्री की अंतिम तिथि - 10/04/2026 को समय 17:00 बजे तक
02 निविदा जमा करने की अंतिम तिथि - 15/04/2026 को समय 15:00 बजे अपरान्ह तक
03 निविदा खोलने की तिथि - 15/04/2026 को समय 16:00 बजे अपरान्ह तक

नोट:- निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य आवश्यक जानकारी कार्यालय सेनानी 7वीं वाहिनी छ.स.बल भिलाई (छ.ग.) से प्राप्त किया जा सकता है।

जी-252607165/4

सेनानी
7वीं वाहिनी छसबल
भिलाई (छ.ग.)

रायगढ़ में पार्षद ने जहर खाया, हालत स्थिर

रायगढ़। रायगढ़ नगर निगम की राजनीति में उस समय हलचल मच गई जब वार्ड क्रमांक 2 की भाजपा पार्षद नेहा देवांगन ने जहर सेवन कर लिया। इस घटना की खबर सामने आते ही राजनीतिक और सामाजिक हलकों में चर्चा तेज हो गई। जानकारी मिलते ही उन्हें तुरंत जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल पहुंचे महापौर, नगर निगम सभापति और अन्य जनप्रतिनिधियों ने उनका हालचाल जाना। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार फिलहाल पार्षद की हालत स्थिर है और डॉक्टरों की टीम उनकी लगातार निगरानी कर रही है। पुलिस ने भी मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस टीम ने अस्पताल और पार्षद के निवास स्थान के आसपास जांच की है यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि आखिर उन्होंने यह कदम क्यों उठाया।

गौधाम योजना शुभारंभ समारोह एवं पशुपालक सम्मेलन

14 मार्च 2026

दोपहर 2:00 बजे

गौधाम लाखासार एवं
गुरू घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय
प्रेक्षागार, बिलासपुर (छ.ग.)

वर्चुअल मोड में
राज्य के समस्त जिलों में शुभारंभ

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

निराश्रित, घुमन्तू तथा जब्त किए गए गौवंश का संरक्षण एवं संवर्धन

₹05 लाख
प्रति वर्ष अधोसंरचना निर्माण/मरम्मत के लिए

₹47 हजार-2.85 लाख
प्रति वर्ष (1-5 एकड़) चारा विकास के लिए

₹13,126
प्रति माह गौ सेवकों को मानदेय

₹10,916
प्रति माह चरवाहों को मानदेय

अनुदान

पोषण आहार

- प्रथम वर्ष ₹10 प्रतिदिन/पशु
- द्वितीय वर्ष ₹20 प्रतिदिन/पशु
- तृतीय वर्ष ₹30 प्रतिदिन/पशु
- चतुर्थ वर्ष ₹35 प्रतिदिन/पशु

संरक्षण भी, संवर्धन भी
गौवंश के लिए समर्पित
साय सरकार

RO-47200/107

संचालन हेतु पात्र संस्थाएं –
छत्तीसगढ़ राज्य गौसेवा आयोग में पंजीकृत संचालित गौशाला की समिति, स्वयंसेवी संस्था, एन.जी.ओ. (गैर-सरकारी संगठन), ट्रस्ट तथा फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी एवं सहकारी समिति

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क | Visit us : /ChhattisgarhCMO /DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950